दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। मंगलवार 02 दिसम्बर-2025 | ● वर्ष: 10 अंक: 344 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य: ₹3

संसद में होगी वंदे मातरम पर चर्चा, पीएम मोदी भी लेंगे हिस्सा... 10 घंटे का दिया गया समय

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने पर संसद के शीतकालीन सत्र में विशेष चर्चा का आयोजन किया जाएगा। लोकसभा में इसी सप्ताह गुरुवार या शुक्रवार को यह चर्चा होगी, जिसके लिए 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस विशेष बहस में भाग लेंगे। यह चर्चा स्वतंत्रता संग्राम के इस प्रेरक गीत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करेगी।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा 30 नवंबर को बुलाई गई ऑल-पार्टी मीटिंग और लोकसभा व राज्यसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में इस प्रस्ताव पर सहमति बनी। राज्यसभा में भी सत्ताधारी दलों के सदस्यों ने इसकी जोरदार वकालत की। सरकार ने इसे राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताते हुए सभी दलों को इसमें भाग लेने का न्योता दिया है।

एनडीए सदस्यों ने राज्य सभा में भी वंदे मातरम पर चर्चा की जोरदार वकालत की।

'वंदे मातरम' को 1950 में भारत गणराज्य के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया था। इसे 1870 के दशक में बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा संस्कृतनिष्ठ बंगाली में लिखा गया था। यह गीत बंकिम चंद्र चटर्जी के बंगाली उपन्यास आनंदमठ का ही हिस्सा है, जिसे पहली बार 1882 में प्रकाशित किया गया था। यह गीत भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का प्रमुख प्रेरणा स्त्रोत बना। इस गीत की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर केंद्र सरकार ने विशेष स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया था। पीएम मोदी ने हाल ही में 'वंदे मातरम' को स्वतंत्रता संग्राम की अमर धरोहर बताते हुए युवाओं से इसका गान करने की अपील की थी।

लोकसभा बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में कांग्रेस ने विशेष गहन संशोधन और चुनावी सुधारों पर बहस की मांग की, लेकिन सरकार ने वंदे मातरम को प्राथमिकता दी। तृणमूल कांग्रेस ने 'वंदे मातरम' पर लोकसभा में विशेष चर्चा का समर्थन किया। विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक सोमवार सुबह मल्लिकार्जुन खाड़गे के कार्यालय में इस मुद्दे पर रणनीति तय करेगा। बता दें कि संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें 15 बैठकें होंगी। शीतकालीन सत्र में 10 नए विधेयक पेश किए जाएंगे, जिनमें परमाणु ऊर्जा, उच्च शिक्षा, राष्ट्रीय राजमार्ग और बीमा क्षेत्र के सुधार शामिल हैं। इसके अलावा, 2025-26 के लिए प्रथम अनुपूरक अनुदान मांगों पर भी चर्चा होगी।

इस हफ्ते हो सकती है भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा
जल्द शुरू हो जायेगी फिर महानगर विस्तार की योजना

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ रही है। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो गया है और दिल्ली में ही नहीं लखनऊ मे सियासी पारा हाई चल रहा है। सूत्र बताते हैं कि संगठन विस्तार की योजना पर काम चल रहा है और जल्द ही उत्तर प्रदेश में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा हो जायेगी। इसी हफते में प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा हो सकती है।फिर महानगर की योजना पर काम चलेगा। बताया जाता है कि लखनऊ में मीटिंग का दौर चल रहा है। जिन नामों को लेकर चर्चा है उनमें पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष और एमएलसी अश्वनी त्यागी का नाम चल रहा है। वो प्रदेश महामंत्री भी हैं। इसके अलावा चर्चा ये भी है कि यहां विजय बहादुर पाठक को भी मौका मिल सकता है। चर्चाओं में यहां कौशाम्बी के पूर्व सांसद विजय सोनकर का भी नाम चल रहा है। इसके अलावा पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा के नाम की चर्चा सुनाई दी है। एक चर्चा ये भी चल रही है कि डिप्टी सीएम वाले सीन में परिवर्तन हो सकता है। केशव प्रसाद मौर्या को राष्ट्रीय टीम में भेजा जा सकता है और यहां डिप्टी सीएम वाले फ्रेम में मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी या स्वतंत्रदेव सिंह का नाम भी आ सकता है। हालाकि ये भाजपा है और यहां जबतक लिस्ट घोषित ना हो जाये तब तक कुछ भी नहीं कहा जा सकता। लेकिन इतना तय है कि प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा के बाद कई महीनों के होल्ड वाले सीन से महानगर की टीम बाहर आयेगी और यहां महानगर की और जिले की टीम घोषित होगी।

गाजियाबाद में ठाकुर राजनीति की सक्रियता वाली चर्चा ने पकड़ा जोर
ठाकुर चेहरों की आमद और चल रहा है लगातार बैठकों का दौर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में जाति एक समीकरण होती है और कोई भी दल समीकरण के इस चक्रव्यू को नहीं भेद सका है। बात संगठन में पद की हो या चुनाव के टिकट की हो जातीय समीकरण साधा ही जाता है। गाजियाबाद में अगर ठाकुर राजनीति की बात करें तो यहां एक लम्बे समय से लोकसभा पर ठाकुर चेरों का वर्चस्व रहा है। रमेशचंद तोमर चार बार यहां से लोकसभा सांसद रहे। उनके बाद राजनाथ सिंह यहां से लोकसभा सांसद रहे और ये सीट ठाकुर राजनीति से लेकर भाजपा की राजनीति में तब महत्वपूर्ण हो गयी तब यहां से सांसद रहते हुए राजनाथ सिंह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। वर्ष 2014 में राजनाथ सिंह ने लखनऊ से पर्चा भरा और यहां से भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व को जनरल वीके सिंह को चुनाव लड़ने के लिए भेजा। जनरल वीके सिंह भी भाजपा का ठाकुर चेहरा थे। यहां अपने पहले ही चुनाव में

जनरल वीके सिंह ने रिकॉर्ड वोटों से जीत हासिल की। वो केन्द्र में मंत्री रहे। वर्ष 2019 में टिकट फिर से रिपीट हुआ और जनरल वीके सिंह को ही उम्मीदवार बनाया गया। भाजपा ने फिर लोकसभा में ठाकुर कार्ड खेला और यहां 5.50 वोटों से चुनाव जीते। वर्ष 2024 में ये समीकरण पलट गया और फिर इसके साथ बहुत कुछ चेंज हो गया। सिटिंग सांसद के रूप में जनरल वीके सिंह को लोकसभा चुनाव में भाजपा ने टिकट नहीं दिया और यहां से शहर विधायक अतुल गर्ग को टिकट मिला। इसके बाद से ही गाजियाबाद लोकसभा में ठाकुर वैक्यूम की बात उठने लगी। हालाकि जनरल वीके सिंह को भाजपा ने मिजोरम का राज्यपाल बनाया। लेकिन उसके बाद से लगातार भगवागढ़ में ठाकुर राजनीति के चेहरों ने अपनी सक्रियता बढ़ाई। ये आवाज उठने लगी कि ठाकुरों को भाजपा की राजनीति में क्या मिला है। लोकसभा में कोई ठाकुर नहीं है, विधानसभा में कोई ठाकुर नहीं है, विधानपरिषद में कोई ठाकुर नहीं है, मेयर सीट पर कोई ठाकुर नहीं और जिला पंचायत सीट पर भी कोई ठाकुर नहीं है। लगातार ठाकुर राजनीति में ये आवाज उठ रही है और अब ठाकुर चेहरों ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। वो ये मांग कर रहे हैं कि जनप्रतिनिधि से लेकर संगठन के जिला और महानगर अध्यक्ष पर ठाकुर चेहरा नहीं है। आखिर गाजियाबाद में ठाकुरों की भाजपा में क्या सियासी भागीदारी है। जनरल वीके सिंह का टिकट रिपलेस होने के बाद से ही ठाकुर समाज में एक नाराजगी व्याप्त है। ये कभी कभी प्रत्यक्ष रूप से सामने आती है और कभी कभी अप्रत्यक्ष रूप से इसकी आवाज सुनाई देती है। भगवागढ़ गाजियाबाद में इस बात का शोर लगातार उठ रहा है कि यहां की राजनीति में ठाकुरों का कितना रोल है। वो सांसद विधायक मेयर के साथ साथ ये भी बता रहे हैं कि राज्यसभा में भी यहां से कोई नहीं है और दर्जा प्राप्त वाले मामलों में भी किसी ठाकुर चेहरे पर कृपा नहीं हुई है। अब ये माहौल बनने लगा है। एक समय ठाकुरों ने उपचुनाव में नाराजगी दिखाते हुए विजय नगर में एक रैली भी निकाली थी लेकिन अब जिस तरह से ठाकुर चेहरों की आमद बढ़ी है । और यहां ठाकुर राजनीति में सक्रियता बढी है उससे लग रहा है कि यहां कोई बेस तैयार हो रहा है। जनरल वीके सिंह के बाद अब यहां ठाकुर चेहरों की आमद संकेत दे रही है। ये आहट लोकसभा चुनाव में ही सुनाई देने लगी थी। जब भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह का नाम यहां से चर्चाओं में आया था। हालाकि उन्हें दूसरे प्रदेश का प्रभारी बनाकर भेजा गया। मगर बीते दिनों वो साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में एक स्कूल के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में आये। और फिर कई मौके आये जब वो शादी विवाह में यहां विशेष रूप से आये हैं। मृणालिनी सिंह के नाम का जिक्र चलता है। हाल ही में भाजपा के पूर्व सांसद और गुरू जी के नाम से पूरी भाजपा में मशहूर डा. रमेश चंद तोमर ने पुस्तक लिखी और सबसे बड़ी बात ये थी कि स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस पुस्तक का लोकापर्ण करने के लिए आये। यहीं से चर्चाओं को बल मिला और ठाकुर राजनीति की चर्चा में बूम आ गया। कार्यक्रम सरकारी था मगर ये डा. रमेश चंद तोमर की उस पुस्तक के नाम हो गया जो उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तिव पर लिखी है। गाजियाबाद में ठाकुर राजनीति का जिक्र हो और यहां पंकज सिंह और नीरज सिंह का नाम ना आये ऐसा तो हो ही नहीं सकता। ये वो नाम हैं जो भाजपा की युवा लॉबी से लेकर वरिष्ठनेताओं की पसंद के नाम हैं। यहां पर गौर करने वाली बात ये है कि पंकज सिंह भले ही नोएडा से विधायक हैं लेकिन उनकी भी आमद साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र मे हुई है। वो एक कार्यक्रम में जब यहां आये और कार्यक्रम के आयोजक भी ठाकुर समाज से थे। ऐसे में ठाकुर राजनीति की चर्चा को बल मिलना ही था। नीरज सिंह अक्सर यहां आते हैं और वो ठाकुर राजनीति का ही चेहरा नहीं हैं बल्कि वो पूरी भाजपा के युवाओं की पसंद का चेहरा माने जाते हैं। यहां पर ये तर्क भी दिया जाता है कि अगर नोएडा में तीन विधायक एक बिरादरी के हो सकते हैं तो गाजियाबाद में ऐसा क्यों नहीं हो सकता। केन्द्र सरकार में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जब मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी के भतीजे के सगाई समारोह में आए तो ठाकुर राजनीति की दस्तक की बातें और बल पकड़ती हुई दिखाई दीं। हाल ही में क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया के पुत्र के विवाह समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आये तो ठाकुर राजनीति की चर्चा ने और जोर पकड़ लिया है। मुख्यमंत्री यहां जैन समाज के कार्यक्रम में आये और फिर वो विवाह समारोह में भी गये। समय दिया, सभी से मिले। जाहिर है कि ठाकुर राजनीति ये संदेश दे रही है कि हम सब एक हैं। ठाकुर समाज के युवाओं ने भी अब अंदरखाने पॉलिटिकली एक्टिव होना शुरू किया है। बैठकों का दौर चल रहा है। सूत्र बताते हैं कि ये संदेश दिया गया है कि अगर हम एकजुट होकर अपनी राजनीतिक भागीदारी के लिए एक नहीं हुए तो फिर हमें यहां निराशा हाथ लगेगी। दैनिक करंट क्राइम ने पूर्व में ये बताया भी था कि मुरादनगर विधानसभा सीट पर ठाकुर बिरादरी की दावेदारी का माहौल बन रहा है। अब ये भी कहा जा रहा है कि पार्टी जब किसी सीट पर किसी निथक को तोडकर टिकट दे रही है तो फिर इसे इसी परिपाटी पर चलते हुए एमएलसी चुनाव, पंचायत चुनाव , मेयर चुनाव और विधानसभा चुनाव में भी ठाकुर चेहरों पर फोकस करना चाहिए।

गाजियाबाद के वाहन चालकों पर लगाया 40 करोड़ का जुर्माना
यातायात माह में काटे 2 लाख 30 हजार 412 चालान

- हजारों छात्र-छात्राओं को भी किया गया यातायात नियमों के प्रति जागरूक

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में यातायात माह का आयोजन 1 नवंबर से 30 नवंबर तक के बीच किया गया। इस दौरान सड़क सुरक्षा अभियान कार्यक्रम आयोजित किए गए। तो बड़ी संख्या में चालान वाली कार्रवाई भी की गई है। यातायात माह के दौरान गाजियाबाद में कुल दो लाख, 30 हजार, 412 वाहन चालकों के चालान काटे गए हैं। जिसके तहत लगभग 40 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। तो वहीं बिना हेलमेट के एक लाख से अधिक लोगों के चालान काटे गए हैं। वही रॉग साइड में 21,409 लोगों पर कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही अन्य मामलों के नियम उल्लंघन में 67,752 चालान किए गए।

लाखों लोगों को किया गया नियमों के प्रति जागरूक

करंट क्राइम : एसीपी ट्रैफिक जियाउद्दीन ने बताया है कि इस दौरान 240 स्कूल-कॉलेजों में लाखों बच्चों को जागरूक किया गया। तो लगभग 9 लाख से अधिक लोगों को वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों के पालन करने के लिए समझाया भी गया है। इसके साथ ही यातायात माह के दौरान जागरूकता अभियान भी चलाए गए। तो सड़क सुरक्षा महक पालन करने के लिए नुक्कड़ नाटक, चौराहों पर एलईडी स्क्रीन के माध्यम से जागरूकता लाई गई है। वहीं ऑटो पर लगी अवैध सीट हटाने का अभियान, भारी वाहनों पर रिफ्लेक्ट टेप, ब्लैक स्पॉट निरीक्षण और लग्जरी गाड़ियों द्वारा नियम तोड़ने वालों पर भी कार्रवाई की गई है।

गाजियाबाद में कोडीन कफ सिरप का अवैध खेल उजागर, 14 लाइसेंस निरस्तीकरण की संस्तुति
औषधि विभाग की जांच में कई फर्मों की हकीकत आई सामने

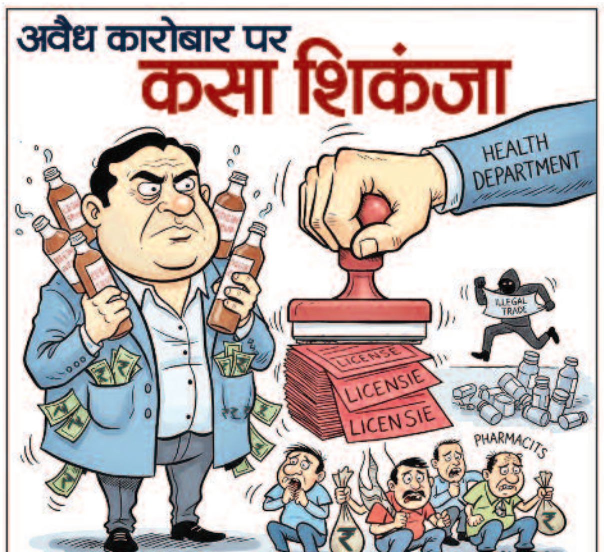

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर औषधि निरीक्षक टीम ने जिले में कोडीन युक्त कफ सिरप और एनडीपीएस श्रेणी की दवाओं के अवैध भंडारण व बिक्री पर बड़े स्तर पर जाँच अभियान चलाया। इंदिरापुरम, नई बस्ती, मोदीनगर, मुरादनगर और राजनगर में की गई औचक जाँच में कई फर्में मौके पर बंद मिलीं, कुछ स्थानों पर दूसरे नाम से दुकानें संचालित पाई गईं, जबकि कई प्रतिष्ठानों द्वारा प्रस्तुत स्टॉक स्टेटमेंट और मौके के स्टॉक में स्पष्ट विसंगतियाँ दर्ज की गईं।

इंदिरापुरम स्थित कुज फार्मा की जगह 'बिजापुर डेयरी', मेडिस्ट्रो बायोटेक की जगह 'मेडिक मेड', तथा शिवम मेडिकल एजेंसी पर पेंट की दुकान चलती मिली। नई बस्ती क्षेत्र में कई प्रतिष्ठानों द्वारा फैन्सीडील, कोरेक्स-टी, कोडेक्टस-टीआर, टॉसेक्स, एस्कोरिल-सी आदि कफ सिरप का पुराना स्टॉक रिकॉर्ड दिखाया गया, पर मौके पर पाया गया स्टॉक मेल नहीं खाता था।

साहिबाबाद स्थित कैडिज लाइफ साइंसेज, एशले फामार्टेक प्राइवेट लिमिटेड और ऑबसर्ग बायोटेक लिमिटेड द्वारा निर्मित कोडीन युक्त सिरप की प्रदेशभर में सप्लाई की पुष्टि होने पर सभी संबंधित जिलों को नोटिस जारी कर विस्तृत जाँच के निर्देश दिए गए हैं। जाँच पूरी होने तक जनपद में नारकोटिक व साइकोट्रॉपिक दवाओं की बिक्री रोक दी गई है।

उपलब्ध जानकारी व जाँच-अवधारणा के आधार पर 14 फर्मों के लाइसेंस निरस्तीकरण की संस्तुति औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी को भेज दी गई है। जिलाधिकारी ने निरीक्षक टीम को निर्देशित किया कि एनडीपीएस से जुड़ी अवैध गतिविधियों में किसी को भी बख्शा न जाए और पुनरावृत्ति पाए जाने पर गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की जाए।

जाँच टीम (औषधि निरीक्षक) : वैभव बब्बर, आशुतोष मिश्रा, रूद्रेश त्रिपाठी, मोहित दीप, पियूष शर्मा, जयसिंह, कपिल शर्मा, दीपक कुमार, अनिल आनंद,प्रेम पाठक, प्रियंका चौधरी।

संदिग्ध/मुख्य दवाएं
❐ फैन्सीडील ❐ कोरेक्स-टी, कोडेक्टस-टीआर ❐ टॉसेक्स एस्कोरिल-सी ❐ लाइकोरेक्स-टी रैक्सले-टी ❐ सुपकॉफ-टी।

मुख्य निर्देश
- एनडीपीएस दवाओं की बिक्री जाँच पूर्ण होने तक बंद
- दोषी फर्मों पर लाइसेंस निरस्तीकरण
- पुनरावृत्ति पर गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई

कहां-कहां हुई कार्रवाई

इंदिरापुरम : कुज फार्मा, मेडिस्ट्रो बायोटेक, शिवम मेडिकल एजेंसी, एस.के. डिस्ट्रीब्यूटर।
नई बस्ती : मेडिसिन सेंटर, अरनव फार्मा, नेशनल मेडिकल कंपनी, रतन मेडिकल एजेंसी, लक्ष्मी मेडिकोज, विशाल मेडिकल एजेंसी, मित्तल एंड मित्तल डिस्ट्रीब्यूटर, जय मेडिकोज, दयाल मेडिकोज, शिवा मेडिसिन सेंटर, सहगल मेडिकल स्टोर, शुभ फार्मा, मेडिसिन हाउस।
मोदीनगर : मथुरा मेडिकल एजेंसी (बंद)। **मुरादनगर :** जय अंबे मेडिकोज (बंद)। **राजनगर :** एस.एन. फार्मा (बंद)।

लोकसभा में हंगामा : एसआईआर के मुद्दे पर अड़ा विपक्ष

विपक्ष के हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही आज सुबह 11 बजे तक स्थगित

ई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र की हंगामेदार शुरूआत हुई है। एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष हंगामा कर रहा है। शीतकालीन सत्र में एटॉमिक एनर्जी समेत 10 नए विधेयक संसद में पेश किए जा सकते हैं। शीतकालीन सत्र 19 दिसंबर तक चलेगा। 19 दिनों में संसद की 15 बैठकें होनी हैं। यह 18वीं लोकसभा का छठा सत्र है।

'लोगों की नजर में गिरता जा रहा विपक्ष'

भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा, 'वे (विपक्ष) जितना हारते जा रहे हैं, उतना ही वो बौखलाते जा रहे हैं...आज बिल्कुल भी संसद नहीं चला है...पूरा देश यह देख रहा है। वे (विपक्ष) लोगों की नजरों से गिरते जा रहे हैं और एक के बाद एक चुनाव हारते जा रहे हैं।'

'विपक्ष कभी ड्रामा नहीं करता' : समाजवादी पार्टी के प्रमुख और सांसद अखिलेश यादव ने कहा, 'विपक्ष कभी ड्रामा नहीं करता। विपक्ष ड्रामा करने वालों को रोकता है कि आपने घोषणा पत्र में जो बाते कहीं हैं, उनको पूरा करिए...चुनाव आयोग की जिम्मेदारी बनती है कि वो सभी का वोट बनाए और यह काम हम कर रहे हैं हैं ताकि हमारे वोट ना कटे...हम अपनी वोट बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं...उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में जो दिखाई दे रहा है, वो यह है कि भाजपा की रणनीति है कि जिन बूथों पर विपक्ष जीता है, उन बूथों पर सबसे ज्यादा वोट काटे जाएं।'

लोकसभा की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित

विपक्ष के हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई। दरअसल विपक्ष एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा पर अड़ा है। वहीं विपक्ष के हंगामे के बीच मणिपुर जीएसटी दूसरा संशोधन विधेयक 2025 लोकसभा से पारित हो गया।

मणिपुर जीएसटी विधेयक लोकसभा में पेश : स्थगन के बाद लोकसभा की कार्यवाही फिर शुरू हो गई है। हालांकि एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा अभी भी जारी है। हंगामे के बीच ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'मणिपुर गुड्स एंड सर्विस टैक्स' (दूसरा संशोधन) विधेयक सदन में पेश किया।

सरकार चर्चा के लिए तैयार : केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, 'पिछला सत्र आप देख लीजिए जिस तरीके से रक्फ़का एक मुद्दा लेकर पूरा सदन वॉशआउट कर दिया। उसी तरह का असार इस सत्र में भी देखने को मिल रहा है...सरकार पूरी तरह से तैयार हैं जिस पर वो चर्चा करना चाहते हैं हम जरूर हर विषय पर चर्चा करेंगे। लेकिन विपक्ष की जिम्मेदारी बनती है कि सदन की गरिमा बनाए रखे और सत्र को चलने दें।'

एसआईआर के खिलाफ विपक्ष की नारेबाजी

लोकसभा की कार्यवाही विपक्ष के हंगामे के बीच फिर से शुरू हो गई है। मणिपुर जीएसटी दूसरा संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष ने एसआईआर के खिलाफ नारेबाजी की।

नेता विपक्ष खरगे के बयान पर हंगामा

राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि आपको बुरा नहीं लगेगा कि मुझे आपके पहले वाले के राज्यसभा के चेयरमैन के ऑफिस से पूरी तरह से अचानक जाने का ज़िक्र करना पड़ रहा है... मुझे दुख हुआ कि सदन को उन्हें विदाई देने का मौका नहीं मिला। फिर भी, पूरे विपक्ष की ओर से मैं उनके स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।' खरगे के बयान पर सत्ता पक्ष ने आपत्ति जताई, जिसे लेकर सदन में हंगामा हुआ।

पीएम मोदी ने सभापति सीपी राधाकृष्णन की तारीफ की : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद पहली बार राज्यसभा की कार्यवाही का बतौर सभापति संचालन कर रहे हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने सभापति की तारीफ की और कहा कि 'मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि इस सदन में बैठे सभी सदस्य, उच्च सदन की गरिमा बनाए रखते हुए, हमेशा आपकी गरिमा का भी ध्यान रखेंगे। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि वे मयार्दा बनाए रखेंगे।

हमारे चेयरमैन एक साधारण परिवार, एक किसान परिवार से आते हैं, और उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया है। राजनीतिक क्षेत्र इसका एक पहलू रहा है, लेकिन मुख्यधारा समाज सेवा रही है। वे समाज के लिए समर्पित रहे हैं। वे हम सभी के लिए एक प्रेरणा और मार्गदर्शक हैं जो समाज सेवा में रुचि रखते हैं।आपमें सभापति छात्र जीवन से ही नेतृत्व भाव रहा है और आज राष्ट्रीय नेतृत्व के रूप में यहां विराजमान हैं, ये हम सभी के लिए गर्व का विषय है। पीएम मोदी ने कहा कि उपराष्ट्रपति हमेशा ही लोक सेवा के काम से जुड़े रहे। आप एक अच्छे संगठनकर्ता रहे हैं। आपने हमेशा सभी को जोड़ने का प्रयास किया और नए विचारों और नई पीढ़ी को अवसर देने का प्रयास किया।'

पीएम मोदी ने कहा, 'मैंने झारखंड में आदिवासी समुदायों के साथ आपका रिश्ता देखा। जिस तरह से आप छोटे-छोटे गांवों में भी गए, झारखंड के मुख्यमंत्री जब भी मुझसे मिलते थे, तो गर्व से इन बातों का ज़िक्र करते थे। आपके पास हेलीकॉप्टर हो या न हो, आप जो भी गाड़ी होती थी, उसी में घूमते थे, रात में छोटी-छोटी जगहों पर रुकते थे।

पांच करोड़ से साई उपवन में बनेगी 650 मीटर लंबी एलिवेटेड ट्रेल

यूपी का पहला प्रोजेक्ट होगा जो बीओटी मॉडल पर बनेगा

- नगर आयुक्त ने कहा निगम को बढ़ेगा राजस्व

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की पहल पर शहर को एक और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। नगर निगम साई उपवन में 650 मीटर लंबी और 1.5 मीटर चौड़ी उत्तर प्रदेश की पहली एलिवेटेड ट्रेल बनाने जा रहा है। प्रोजेक्ट को बीओटी मॉडल पर विकसित किया जाएगा, जिसके लिए नगर निगम ने निविदा आमंत्रित कर दी है। टेंडर 11 दिसंबर को खोले जाएंगे। एलिवेटेड ट्रेल को आकर्षक और बहुउद्देशीय स्वरूप में विकसित किया जाएगा। इसमें बास्केटबॉल, पिकलबॉल, बॉक्स क्रिकेट, पब्लिक टॉयलेट, पार्किंग स्पेस और कैफे जोन जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। नगर आयुक्त के अनुसार, यह ट्रेल न केवल शहर वासियों के लिए नया अनुभव बनाएगी, बल्कि खिलाड़ियों और आमजन को भी आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करेगी।

करोड़ों की लागत से बनेगा मॉडल

करंट क्राइम : नगर आयुक्त ने बताया कि गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश का पहला नगर निगम होगा जो एलिवेटेड ट्रेल का निर्माण करेगा—यह शहर के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि लगभग 5 करोड़ रुपये लागत वाले इस प्रोजेक्ट से निगम को अतिरिक्त राजस्व भी प्राप्त होगा। चयनित फर्म ट्रेल का निर्माण और संचालन दोनों करेगी, जिससे नगर निगम को बीओटी मॉडल के तहत नियमित राजस्व उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम लगातार शहर वासियों के लिए नए-नए प्रोजेक्ट ला रहा है। इन्हीं योजनाओं की श्रृंखला में साइ उपवन की एलिवेटेड ट्रेल भी शामिल है। उम्मीद है कि यह ट्रेल न केवल स्थानीय लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी, बल्कि दूसरे शहरों से आने वाले लोग भी इसके अनुभव का आनंद उठाएंगे।

शादी समारोह से लौटते वक्त हादसा, पिता की मौत पुत्र की हालत गंभीर

रेलिंग तोड़कर फ्लाईओवर से नीचे गिरी कार

गाजियाबाद, करंट क्राइम : थाना सिहानी गेट क्षेत्र में सोमवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। दिल्ली में एक शादी समारोह से लौट रहे पिता-पुत्र की कार फ्लाईओवर की रेलिंग तोड़ते हुए लगभग तीस फीट नीचे पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस परिसर में जा गिरी। हादसे में पिता की मौत हो गई, जबकि उनका पुत्र गंभीर रूप से घायल है। घटना सुबह करीब 3 बजे की बताई जा रही है। एक तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार अचानक अनियंत्रित होकर फ्लाईओवर की रेलिंग से टकराई और सीधे नीचे जा गिरी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही सिहानी गेट थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे दोनों घायलों को बाहर निकाला गया और अस्पताल भेजा गया।

मृतक थे कैश वैन में गार्ड

करंट क्राइम : अस्पताल में डॉक्टरों ने राकेश कुमार (48 वर्ष) निवासी फ्री होल्ड गुलधर-द्वितीय, थाना मधुबन बापूधाम को मृत घोषित कर दिया। राकेश कुमार बैंक कैश वैन पर प्राइवेट गार्ड की नौकरी करते थे। कार चला रहे उनके पुत्र प्रिंस, निवासी जागृति विहार, संजय नगर, की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि कार में पिता-पुत्र सवार थे। हादसे के दौरान राकेश कुमार की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि प्रिंस बुरी तरह घायल हो गए। मौके की स्थिति और क्षतिग्रस्त कार को देखते हुए पुलिस ने माना है कि वाहन तेज रफ्तार में था और अचानक नियंत्रण खो बैठा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बीएलओ का निर्वाचन आयोग के दफ्तर के बाहर हंगामा

हालात इस कदर बिगड़े कि बीएलओ को रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में लगे बीएलओ ने सोमवार को कोलकाता में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान बीएलओ ने कोलकाता में निर्वाचन आयोग के दफ्तर के बाहर खूब हंगामा किया। हालात इस कदर बिगड़े कि बीएलओ को रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में लगे बीएलओ बीते कई दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बीते हफ्ते भी विरोध प्रदर्शन के दौरान बीएलओ ने जबरन राज्य निर्वाचन आयुक्त के दफ्तर में घुसने की कोशिश की थी।

बीएलओ का दावा- एसआईआर प्रक्रिया के चलते अमानवीय तनाव झेलना पड़ रहा : चुनाव आयोग ने कोलकाता के पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर निर्वाचन आयुक्त की सुरक्षा में चूक को बेहद गंभीर बताते हुए निर्वाचन अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। एसआईआर प्रक्रिया में लगे बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) काम का भारी दबाव होने का आरोप लगा रहे हैं। बूथ लेवल अधिकारियों का कहना है कि एसआईआर प्रक्रिया के चलते उन्हें अमानवीय तनाव झेलना पड़ रहा है। बीएलओ का यह विरोध प्रदर्शन ऐसे समय हो रहा है, जब बंगाल समेत देश के 12 राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। वहीं भारी काम के दबाव के चलते देशभर से कई बीएलओ की मौत होने का दावा किया जा रहा है। परिवारों का आरोप है कि बीएलओ पर बहुत ज्यादा काम के दबाव डाला जा रहा है।

चुनाव आयोग ने एसआईआर की समयसीमा बढ़ाई : वहीं बीएलओ पर काम के भारी दबाव की खबरों के बीच चुनाव आयोग ने एसआईआर की डेडलाइन सात दिन बढ़ा दी है। अब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) की प्रक्रिया 11 दिसंबर तक चलेगी। पुनरीक्षण की समयसीमा बढ़ाने का एलान करते हुए आयोग ने जो नोटिस जारी किया है, इसके मुताबिक पुनरीक्षण के बाद मतदाता सूची के मसौदे का प्रकाशन 16 दिसंबर को होगा। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी। चुनाव आयोग ने कहा है कि मतदाताओं के नाम दर्ज करने के लिए फॉर्म भरे जाने यानी इन्युमरेशन की अवधि 11 दिसंबर तक बढ़ाई गई है।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वीजीआई कॉलेज दादरी के छात्र-छात्राओं ने एक टीवी चैनल द्वारा आयोजित लाईव डीबेट में अपनी सक्रिय और उत्साहपूर्ण सहभागिता की। राष्ट्रीय परिदृश्य में अतिमहत्वपूर्ण हल्लाबोल जैसे समसामयिक विषय पर एक जागरूक नागरिक के रूप में छात्र-छात्राओं ने अपने विचार रखे। कॉलेज के छात्र-छात्राओं को अभिव्यक्ति के लिए मंच देने के लिए डॉ पूर्णिमा शर्मा, सीईओ वीजीआई कॉलेज दादरी ने आभार व्यक्त किया। कॉलेज के चेयरमैन सुनील जिंदल ने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और अवसर देने का यह क्रम निरंतर चलता रहेगा। इस अवसर पर डीन डॉ सीएन त्यागी, डिप्टी रजिस्ट्रार वैभव त्यागी, प्रिंसीपल डॉ प्रदीप कुमार, डॉ सिंधू चौधरी, अल्पना शर्मा, डॉ अभयकांत, मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ अरविन्द कुमार, एमबीए प्रभारी पूजा सागर, कंचन मावी आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

बृज विहार के पूर्व मंडल अध्यक्ष सुधीर त्यागी ने कार्यकर्ताओं के साथ एसआईआर बूथ निरीक्षण किया

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। बृज विहार मंडल के पूर्व अध्यक्ष सुधीर त्यागी ने कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्र के विभिन्न एसआईआर (मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण) बूथों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बूथों पर मौजूद लोगों से बातचीत कर समस्याओ के बारे में जानकारी ली। सुधीर त्यागी, मंडल उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी ने बताया कि कुछ मतदाता अभी भी फॉर्म जमा करने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं, जिसके समाधान के लिए तुरंत कदम उठाने की जरूरत है।

सुधीर त्यागी ने कहा, हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना है कि हर मतदाता का फॉर्म सही समय पर जमा हो। किसी भी तरह की समस्या हो, हमें तुरंत बताएं, हम समाधान करेंगे। इस निरीक्षण में कई स्थानीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे, जिनमें रिता सिंह, पार्षद भगवान अग्रवाल,कामनी भदौरिया शामिल थे। गीता सिंह ने कहा कि अभी भी यदि आप या आपके जानपहचान वाले को फॉर्म जमा करने में कोई परेशानी हो रही है, तो तुरंत अपने निकटतम बीएलओ से संपर्क करें।

संतोष मेडिकल कॉलेज ने किया डॉक्टर सम्मान समारोह का आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। संतोष मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल्स, संतोष डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी तथा पीसीएमए (प्राइवेट चिकित्सक मेडिकल एसोसिएशन) के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को एम.एम. डिग्री कॉलेज, मोदीनगर के सभागार में भव्य डॉक्टर सम्मान समारोह का सफल आयोजन किया गया। सैकड़ों चिकित्सकों ने दर्ज करायी सहभागिता।

वरिष्ठ अधिकारियों व विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपस्थिति : कार्यक्रम में संस्थान के कई वरिष्ठ अधिकारी एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से – डॉ. अल्पना अग्रवाल, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, डॉ. सुमिता गिरी, वाइस डीन (संतोष डेंटल कॉलेज), डॉ. आहिल राजन, रजिस्ट्रार, डॉ. दीपिका अग्रवाल, डिप्टी डीन, डॉ. अखिलेश, कार्डियोलॉजी विभाग, डॉ. अंशुमान शर्मा, पीडियाट्रिक सर्जन, डॉ. मोहित शर्मा, पीडियाट्रिक विभाग। इन सभी वरिष्ठ चिकित्सकों को भी मंच पर सम्मानित अतिथियों द्वारा प्रतीक-चिन्ह भेंट कर सराहा गया।

कार्यक्रम में राजकुमार सांगवान, सांसद, बागपत लोकसभा (मुख्य अतिथि), नंदकिशोर गुर्जर, विधायक लोनी, डॉ. मंजू शिवाच, विधायक मोदीनगर, विनोद वैशाली, चेयरमैन मोदीनगर, राम किशोर अग्रवाल, पूर्व राज्य मंत्री, उ.प्र., सुचेता सिंह, ब्लॉक प्रमुख, भोजपुर, राजन चौधरी, अध्यक्ष, गन्ना समिति मोदीनगर, दिनेश सिंघल, पूर्व जिला अध्यक्ष, भाजपा, डॉ. पवन सिंघल, वरिष्ठ भाजपा नेता, सत्येंद्र त्यागी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, भाजपा, रमेश प्रजापति, पूर्व राज्य मंत्री, उ.प्र. सरकार उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि सांसद राजकुमार सांगवान ने कहा– संतोष हॉस्पिटल गाजियाबाद जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

---

18 दिन से लापता अनिल कुमार का शव मिला, शराब विवाद में साथी ने की हत्या

गाजियाबाद, करंट क्राइम : मोदी नगर के गांव गदाना निवासी अनिल कुमार, जो 12 नवंबर से लापता थे, उनका शव मोदीपोन कॉलोनी में बंद पड़ी फैक्टरी से बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, शराब पीने के दौरान हुए विवाद में साथी युवक ने उनके सिर पर डंडा मारकर हत्या कर दी और शव झाड़ियों में फेंक दिया। जानवरों द्वारा शव क्षत-विक्षत हो चुका था। कपड़ों से पहचान की गई। आरोपी युवक को हिरासत में लेकर उसकी निशानदेही पर कुछ अंग भी बरामद किए गए हैं। शव मिलने के बाद परिजनों ने मोदीपोन चौकी पर हंगामा कर पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना था कि पुलिस ने शुरूआत में मोबाइल सर्विलांस पर लगा दिया होता तो अनिल की जान बच सकती थी। एसीपी मोदीनगर अमित सक्सेना के अनुसार, फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं और सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। जल्द कार्रवाई की जाएगी।

शालीमार गार्डन-शहीद नगर मेट्रो रोड के जी.टी. रोड तक मरम्मत की मांग तेज

स्थानीय निवासी सोनू भाटी की शिकायत पर सांसद अतुल गर्ग ने प्रमुख सचिव को भेजा पत्र

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। शालीमार गार्डन से शहीद नगर मेट्रो स्टेशन होते हुए जी.टी. रोड तक की जर्जर सड़क की मरम्मत को लेकर स्थानीय निवासियों की नाराजगी बढ़ गई है। इसी कड़ी में शालीमार गार्डन निवासी एवं महानगर गाज़ियाबाद के युवा मोर्चा अध्यक्ष सोनू भाटी द्वारा भेजे गए प्रार्थना पत्र का संज्ञान लेते हुए सांसद अतुल गर्ग ने लोक निर्माण विभाग, लखनऊ के प्रमुख सचिव अजय चौहान को पत्र भेजकर सड़क की तत्काल जांच और मरम्मत कराने की मांग की है।

सांसद अतुल गर्ग ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि शालीमार गार्डन से लेकर शनि मंदिर तक का सम्पूर्ण मार्ग लंबे समय से खराब पड़ा है, जिससे आवागमन में भारी दिक्कतें पैदा हो रही हैं। उन्होंने अनुरोध किया है कि इस सड़क को ह्यगड्ढा मुक्त योजनाह्ल में सम्मिलित कर तुरंत मरम्मत कराई जाए।

पत्र के साथ स्थानीय निवासी के प्रार्थना पत्र को भी संलग्न किया गया है।

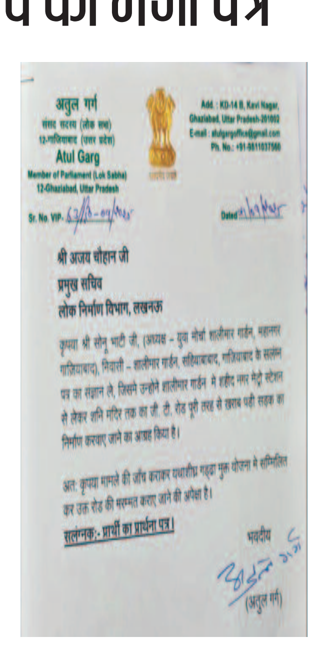
अतुल गर्ग
संसद सदस्य (लोक सभा)
12-गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)
Atul Garg
Member of Parliament (Lok Sabha)
12-Ghaziabad, Uttar Pradesh

Add. : KD-14 B, Kavi Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002
E-mail : atulgargoffice@gmail.com
Ph. No. : +91-9811037560

Sr. No. VIP- [illegible]
Dated [illegible]

श्री अजय चौहान जी
प्रमुख सचिव
लोक निर्माण विभाग, लखनऊ

कृपया श्री सोनू भाटी जी, (अध्यक्ष - युवा मोर्चा शालीमार गार्डन, महानगर गाजियाबाद), निवासी - शालीमार गार्डन, साहिबाबाद, गाजियाबाद के संलग्न पत्र का संज्ञान लें, जिसमे उन्होंने शालीमार गार्डन में शहीद नगर मेट्रो स्टेशन से लेकर शनि मंदिर तक का जी. टी. रोड पूरी तरह से खराब पड़ी सड़क का निर्माण करवाए जाने का आग्रह किया है।

अतः कृपया मामले की जाँच कराकर यथाशीघ्र गड्ढा मुक्त योजना में सम्मिलित कर उक्त रोड की मरम्मत कराए जाने की अपेक्षा है।

संलग्नक:- प्रार्थी का प्रार्थना पत्र।

भवदीय
(अतुल गर्ग)

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...

भाजपा के पूर्व विधायक का कट गया वोटर लिस्ट से ही नाम तब सपा के प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने उठायी आवाज

गाजियाबाद, करंट क्राइम। इन दिनों मतदाता सूची गहर पुनरीक्षण अभियान चल रहा है। इस अभियान को लेकर सबसे ज्यादा जोर भाजपा ने दिया है। और भाजपा ने अपने पार्षदों से लेकर संगठन पदाधिकारियों की डयूटी लगा दी है। गाजियाबाद इसलिए महत्वपूर्ण है कि यहां से सदर विधायक संजीव शर्मा को एसआईआर अभियान का सह संयोजक बनाया गया है। भाजपा की पूरी टीम इस अभियान में लगी है। लेकिन देश की सबसे बड़ी विधानसभ साहिबाबाद के वसुन्धरा क्षेत्र में रहने वाले भाजपा के पूर्व विधायक रूप चौधरी का नाम ही मतदाता सूची से गायब हो गया।

एक दिन पहले ही भाजपा के पूर्व विधायक रूप चौधरी ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट पर बताया थाकि उनका वोट गायब हो गया है। वोटर लिस्ट से उनका नाम काट दिया गया है। रूप चौधरी ने मतदाता सूची से नाम गायब होने को षडयंत्र बताया था। पूर्व विधायक रूप चौधरी हमेशा अपनी बात को स्पष्ट लहजे में रखते हैं। उनके तेवर तीखे रहते है और वो कभी भी स्पष्ट बात कहने से पीछे नहीं छूटते।

जब उनका नाम वोटर लिस्ट से कटा तो उन्होंने इस पूरे मामले को रखा। मगर इस मामले में रोचक मोड तब आया जब एसआईआर अभियान को लेकर जोर शोर से जुटी भाजपा के जनप्रतिनिधि, भाजपा के संगठन पदाधिकारी तो पूर्व विधायक का नाम सूची से हटने पर चुप रहे लेकिन सपा के राजकुमार भाटी ने इस मुददे को प्रमुखता से उठाया। राजकुमार भाटी ने पूरी एसआईआरप्रक्रिया पर सवाल उठाया। सबसे खास बात ये रही कि समाजवादी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता तो सामने आये उन्होंने पूरा मामला उठाया और सपा के महानगर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव भी रूप चौधरी के पक्ष में आ गये। समाजवादी पार्टी के इन दोनों नेताओं ने इसी मुददे पर भाजपा को घेरा। राजकुमार भाटी ने भाजपा के पूर्व विधायक रूप चौधरी की पोस्ट को मेंशन करते हुए सवाल उठा दिया कि शासन प्रशासन और चुनाव आयोग आखिर किस बूते पर एसआईआर प्रक्रिया के फुलप्रूफ होने का दावा कर रहे है।

चुनाव आयोग और प्रशासन आखिर किस बूते पर कर रहा है एसआईआर प्रक्रिया फुल प्रूफ होने का दावा

करंट क्राइम। भाजपा के पूर्व विधायक रूप चौधरी का नाम मतदाता सूची से गायब हो गया। उन्होंने अपनी पीड़ा सोशल मीडिया पर रखी और यहां समाज वादी पार्टी के मुखर और स्टार प्रवक्ता राजकुमार भाटी उनके समर्थन में आ गये। राजकुमार भाटी ने कहा कि रूप चौधरी वरिष्ठ पत्रकार हैं, लेखक हैं सामाजिक कार्यकर्ता हैं। खेकड़ा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक रह चुके हैं। गाजियाबाद के वसुन्धरा में इनका स्थायी निवास है। इसी निवास के पते पर इनका पासपोर्ट , एलआईसी का बीमा, बैंक अकाउंट और कई अन्य दस्तावेज हैं। इसी पते पर लम्बे समय से इनका वोट है। पिछले कई चुनावों में इन्होंने मतदान किया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी मतदान किया था। लेकिन एसआईआर प्रक्रिया के दौरान जो मतदाता सूची आई है उसमें इनका नाम डिलीट कर दिया गया है। जिला गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर में कई सौ लोगों ने व्यक्तिगत तौर पर मुझे ये बताया है कि इसी तहर उनके भी नाम डिलीट किये गये हैं। सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने अपने फेसबुक पेज पर भाजपा के पूर्व विधायक रूप चौधरी की इस पोस्ट को भी साझा किया और ये सवाल उठा दियाकि आखिर शासन-प्रशासन और चुनाव आयोग किस बूते पर एसआईआर प्रक्रिया के फुल प्रूफ होने का दावा कर रहे हैं।

मतदाता सूची से किस षडयंत्र के तहत मेरा नाम हटा दिया गया : रूप चौधरी

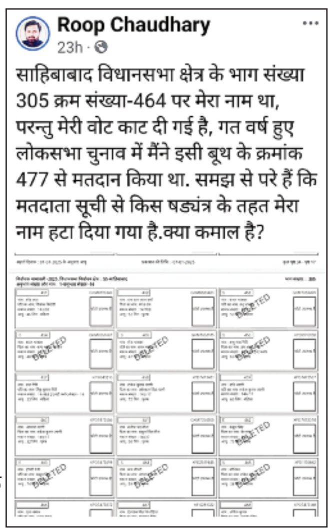
Roop Chaudhary
23h
साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 305 क्रम संख्या-464 पर मेरा नाम था, परन्तु मेरी वोट काट दी गई है, गत वर्ष हुए लोकसभा चुनाव में मैंने इसी बूथ के क्रमांक 477 से मतदान किया था. समझ से परे हैं कि मतदाता सूची से किस षड्यंत्र के तहत मेरा नाम हटा दिया गया है.क्या कमाल है?

करंट क्राइम। रूप चौधरी विधायक रहे हैं, लेखक हैं पत्रकार हैं और सामाजिक राजनीतिक मुददों को लेकर सक्रिय रहते हैं। उनका ही वोट जब वोटर लिस्ट से गायब हुआ तो उनकी प्रतिक्रिया स्वभाविक थी। उन्होंने फेसबुक पर आकर लिखा कि साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 305, क्रम संख्या 464 पर मेरा नाम था। परन्तु मेरी वोट काट दी गयी है। गत वर्ष हुए लोकसभा चुनाव में मैंने इसी बूथ के क्रमांक 477 से मतदान किया था। समझ से परे है कि मतदाता सूची से किस षडयंत्र के तहत मेरा नाम हटा दिया गया है क्या कमाल है।

जब कट गया भाजपा के पूर्व विधायक का वोट तो आम मतदाता का क्या होगा हाल : वीरेन्द्र यादव

करंट क्राइम। भाजपा के पूर्व विधायक रूप चौधरी का वोट मतदाता सूची से काट दिया गया। एक लेखक पत्रकार और सत्ताधारी दल के पूर्व विधायक का वोट मतदाता सूची से गायब भी तब हुआ जब एसआईआर अभियान चल रहा है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने जब इस पूरे मामले को उठाया तो सपा के महानगर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव ने इस मुददे को उठाया। वो भी फेसबुक पर सामने आये और उन्होंने लिखा कि जब सत्ताधारी भाजपा के पूर्व विधायक रूप चौधरी का ही वोट काट दिया गया है तो आप सोच सकते हैं कि आम मतदाताओं का क्या हाल एसआईआर प्रक्रिया में होगा। उन्होंने लिखा कि क्या किसी के कहने पर चिन्हित करके प्रशासन वोटों की कांट छांट में लगा है। जब भाजपा के पूर्व विधायक अपना वोट ही नहीं बचा पा रहे तो आम मतदाताओं का वोट कैसे बचेगा। समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव ने प्रशासन से मांग की कि इस प्रकरण की तत्काल जांच हो और दोषियों के खिलाफ कार्यवाही हो।

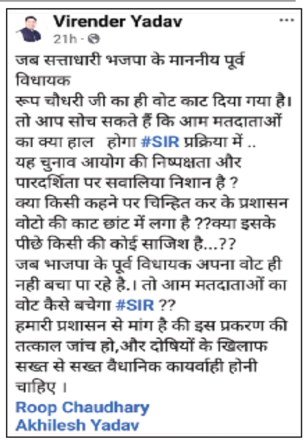
Virender Yadav
21h
जब सत्ताधारी भजपा के माननीय पूर्व विधायक
रूप चौधरी जी का ही वोट काट दिया गया है। तो आप सोच सकते हैं कि आम मतदाताओं का क्या हाल होगा #SIR प्रक्रिया में ..
यह चुनाव आयोग की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवालिया निशान है ?
क्या किसी कहने पर चिन्हित कर के प्रशासन वोटो की काट छांट में लगा है ??क्या इसके पीछे किसी की कोई साजिश है...??
जब भाजपा के पूर्व विधायक अपना वोट ही नही बचा पा रहे है.। तो आम मतदाताओं का वोट कैसे बचेगा #SIR ??
हमारी प्रशासन से मांग है की इस प्रकरण की तत्काल जांच हो,और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त वैधानिक कार्यवाही होनी चाहिए ।
Roop Chaudhary
Akhilesh Yadav

सपाइयों के दिल पर लगी है चोट कैलाभट्टा में कहीं ना कट जाएं उनके वोट

शहर विधानसभा के बूथ में वैध मतदाताओं के एसआईआर फार्म न मिलने पर की एडीएम एफआर से शिकायत

गाजियाबाद, करंट क्राइम : समाजवादी पार्टी विधानसभा चुनाव के लिए अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। तो इसी बीच एसआईआर फॉर्म को लेकर समाजवादी पार्टी अलर्ट मोड पर आ गई है। सोमवार को समाजवादी पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम वित्त को शिकायत की है कि विधानसभा 56 सदर सीट गाजियाबाद कैलाभट्टा क्षेत्र में बूथों पर वैध मतदाताओं को एसआईआर फॉर्म नहीं मिल रहे हैं। इस संबंध में उन्होंने पूरा ब्यौरा प्रस्तुत किया है। साथ ही उनका कहना है कि जब चुनाव आयोग द्वारा 11 दिसंबर तक अभियान चलाया जाना है, तो इसमें लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सपा प्रतिनिधिमंडल ने बताया है कि नगर निगम इंटर कॉलेज इस्लामनगर नया बस अड्डा, प्राथमिक विद्यालय इस्लाम नगर और एमएमएच इंटर कॉलेज में यह समस्या आ रही है। जिसको लेकर सोमवार को समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन और महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने सौरभ भट्ट एडीएम को शिकायत दी है।

सपा का संगठन कर रहा है बूथों पर काम

करंट क्राइम : समाजवादी पार्टी के नेताओं ने जानकारी दी है कि 30 नवंबर को सदर विधानसभा 56 सदर सीट कैलाभट्ट के बूथों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पता चला कि वैध मतदाताओं को भी एसआईआर के फॉर्म नहीं दिए जा रहे हैं जबकि बूथों पर बीएलओ बैठ रहे हैं। सपा नेताओं ने प्रशासन से की गई शिकायत में इस पूरे मामले में कार्रवाई व सुनवाई की अपील की गई है।

प्रदेश अध्यक्ष ने भेजा है दिसंबर से फरवरी तक का पूरा प्लान

करंट क्राइम : समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने 11 दिसंबर तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित-एकत्रित करेंगे, इस अभियान में नजर रखने का निर्देश दिया है। तो 16 दिसंबर तक मतदाता सूची का प्रकाशन पर नजर रखना है। साथ ही 16 दिसंबर से 15 जनवरी तक आपत्ति दाखिल करने की प्रक्रिया पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है। तो वहीं 16 दिसंबर से 7 फरवरी तक नोटिस चरण, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे आपत्तियों के निस्तारण पर भी निगरानी रखनी है। वहीं 14 जनवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रदर्शन होना है, इसको लेकर भी महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देश उनके द्वारा दिए गए हैं।

एमएलसी चुनाव की बैठक में जब हो गये दो नेता एक-दूसरे पर हॉट

जमकर हुई दोनों में बहस और आ गयी जिम्मेदारी छोड़ने तक की बात उनकी जुबान पर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में बहुत कुछ घट रहा है। इन दिनों राजनीति में चुनावी सरगर्मी है। इन दिनों हर दल की राजनीति में एसआईआर अभियान है। कहीं संगठन की बात है कहीं पंचायत चुनाव का जिक्र है। राजनीतिक पारा हर दल में हाई चल रहा है। हर दल में कुछ ना कुछ घटित हो रहा है और कहानी ये एक राजनीतिक दल की है जिसमें विवाद का केन्द्र बिंदु एमएलसी चुनाव है। सूत्र बताते हैं कि एक राजनीतिक दल की बैठक एमएलसी चुनाव की तैयारियों को लेकर हुई। चार दिन पहले ये बैठक हुई और बैठक एक ऐसी छत के नीचे हुई जहां से छात्र डिग्री लेकर जाते हैं। डिग्री वाली छत के नीचे एमएलसी चुनाव की जब बैठक हुई तो यहां दो ऐसे पदाधिकारी आमने सामने थे जिनमें एक के पास जिम्मेदारी निभा रहे चेहरों पर निगरानी रखने की जिम्मेदारी है और दूसरा चेहरा जिम्मेदारी लेने वाला है। यहां पर बैठक शुरू हुई और सूत्र बताते हैं कि तकरार का आधार अपने अपने पद का अधिकार रहा। फिर यहां पर शुरूआत ये हुई कि एक ने कहा कि आपको जो जिम्मेदारी दी गयी थी उसे आपने ठीक से निभाया नहीं । यहां पर बात का सार ये भी था कि आपके अधीन जो कर्मचारी थे उन्होंने अपने दायित्व को ठीक से नहीं निभाया । लेकिन ये सवाल ऐसा था कि इसे लेकर धीरे धीरे जुबानी बवाल वाला सीन आ गया। और फिर उधर से भी पलटवार हुआ। और कहा गया कि जब आपने अपनी पसंद के लोगों को जिम्मेदारी वाली टीम में रखवाया है तो फिर आप हमें क्यों दोष दे रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि फिर इसके बाद कहानी में पुराना इतिहास आ गया। दोनों ही पदाधिकारियों की आवाज तेज हो गयी और वो इतिहास की बातें निकाल लाये और फिर मंच से ही ये बातें शुरू हो गयीं। इस सीन को वो भी देख रहे थे जिनकी डिग्री वाली छत उपलब्ध कराने का जिम्मा था और मामला इतना बढ गया कि दोनों तरफ से हॉट टॉक हुई और पारा हाई हो गया। नौबत ये आ गयी कि एक तरफ से आवाज ये आई कि मैं तो इस जिम्मेदारी को ही छोड़ दूंगा। सुना है कि दूसरी तरफ वालों ने भी जिम्मेदारी से पैकअप की बात कह दी। डिग्री वाली छत के नीचे इस पूरे सीन को देख रहे नेताओं की समझ में नहीं आ रहा थ कि कौन गलत है कौन सही। वो तय नहीं कर पा रहे थे और बातें डिग्री वाली छत के सभागार से बाहर आ गयीं। किस्सा दल के लोगों में गूंज रहा है।

साइकिल पर सवार रहे एक नेता पर क्या चल रही है मुकदमे की प्लानिंग

जल्द सिटी जोन में लिखा जा सकता है मुकदमा

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सिटी जोन के एक सबसे अटेंशन वाले थाने में जल्द ही साइकिल पर सवार रहे एक नेता पर मुकदमा लिखा जा सकता है। सपा वाले सूत्रों की ओर से बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले पार्टी से जिन्हें बाहर किया गया था, उनके पुराने मामले को लेकर पार्टी वाले ही कुछ प्लानिंग कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस के एक अधिकारी तक मामले की शिकायत भी पहुंची है। फिलहाल इस मामले में एक उपनिरीक्षक जांच कर रहे हैं।

इस जांच के बाद उस साइकिल पर सवार रहे पूर्व नेता पर आंच भी आ सकती है। बताया जा रहा है कि उनका पार्टी के एक नेता से विवाद हुआ था, जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। उस मामले में उनके आपत्तिजनक शब्द उनके लिए अब टेंशन वाले बन सकते हैं। सुनने में आ रहा है कि इस मामले में जल्द ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एक्शन लिया जा सकता है।

लिए गए हैं स्क्रीनशॉट

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सूत्रों से जानकारी मिली है कि इस मामले में शिकायत एसीपी स्तर के कार्यालय तक पहुंची है। जिसके बाद इस मामले में एक उपनिरीक्षक द्वारा जांच की जा रही है। इसमें पुराने घटनाक्रम के स्क्रीनशॉट से लेकर आपत्तिजनक शब्दों का प्रिंट आउट लिया गया है। तो वहीं पुलिस के सूत्रों से जानकारी यह भी मिली है कि इस मामले में वह जिस पार्टी में थे, वहां के कई पदाधिकारी भी एक्टिव वाले मोड में हैं। वह अधिकारियों को भी अपना स्टैंड क्लियर कर चुके हैं जिसके बाद इस मामले में कभी भी एक्शन लिया जा सकता है। बताया जा रहा है कि इस मामले में अगर मुकदमा लिखा गया, तो साइकिल पर सवार रहने वाले इस पूर्व नेता की टेंशन बढ़ सकती हैं। बता दें कि इन दिनों पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में पुराने केसों की भी जांच पड़ताल चल रही है और बताया जा रहा है कि यह उसी का नतीजा है, जिसमें नेताजी वाला मामला फिर गर्मागया है।

नियमों के प्रति संवेदनशीलता ही असली सभ्यता की पहचान : बालेश्वर त्यागी

‘स्वयं को वीआईपी समझकर नियमों से ऊपर व्यवहार करने से बचें’

बालेश्वर त्यागी की डायरी से निकले नियमों के पालन पर उनके अपने विचार और अनुभव

अनुशासन का भ्रम टूटना

हमेशा खुद को नियमों का पालन करने वाला समझने का भरोसा एक घटना ने पूरी तरह बदल दिया।

एम्स्टर्डम की लिफ्ट में अनजाने में हुई गलती

लाइन में लगे लोगों को न देखकर सीधे लिफ्ट में चढ़ जाना, एक छोटी-सी चूक ने भीतर तक झकझोर दिया।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मुझे अपने बारे में एक भ्रम है कि मैं अनुशासित व्यक्ति हूं। अधिकतर नियमों का पालन करने का प्रयास करता हूं। एकाध बार तो लाइन में लगकर टिकट लेने की आदत के कारण मेरी ट्रेन भी छूटी है। एक बार तो टिकट विंडो पर बैठे बाबू ने मुझसे पूछ लिया कि वो विधायक कहां हैं जिनकी कूपन बुक लेकर आए हो। जब मैने कहा कि क्या तुम्हें मेरी शक्ल विधायक जैसी नहीं लगती तो उसने कहा कि मैंने तो आज तक किसी विधायक को लाइन में लगकर टिकट लेते नहीं देखा। तो मैंने अपना आई कार्ड दिखाया। लेकिन एक घटना ऐसी भी जब मुझे अपने आप पर शर्मिंदगी हुई। उसे आपके साथ साझा करता हूं -

वर्ष 2000 में हम एक पार्लियामेंट्री एसोसिएशन के डेलिगेशन में विदेश गए थे। उस टूर में हमारा पहला पड़ाव हॉलैंड के एम्स्टर्डम में था। वहां हम एक होटल में रुके थे। होटल में हमारा कमरा 18वीं मंजिल पर था और कैंटीन भूतल पर थी। हम कैंटीन में नाश्ता करने के बाद अपने कमरे में जाने के लिए लिफ्ट के पास आए। हमसे पहले दो तीन लोग पहले से खड़े थे। हम भी खड़े हो गए। थोड़ी देर में जैसे ही लिफ्ट आई और उसका दरवाजा खुला हम भी उसमें घुस गए। जैसे ही हम लिफ्ट के दरवाजे की ओर घूमे तो मैंने देखा कि एक 13-14 साल का लड़का गुस्से से हमें घूर रहा है। वह एकदम गोरा था, गुस्से से उसका रंग एकदम लाल हो गया था। वह जोर से चिल्लाया 'हियर इज ए क्यू'। तब हमें ध्यान आया कि यह हमसे पहले खड़ा था। हम लापरवाही से लिफ्ट में घुस गए। हम उससे सॉरी कह पाते लिफ्ट चल दी। लिफ्ट में एक और सज्जन थे। उन्होंने हमसे पूछा कि कहां के रहने वाले हो ? हमने बताया कि भारत के रहने वाले हैं । तब उसने कुछ व्यंग्य के अंदाज में कहा कि फिर तो कोई बात नहीं है।

उस दिन अपने पर शर्मिंदगी अनुभव हुई। हम जैसों के कारण ही विदेश के लोगों की राय भारत के बारे में ऐसी बनी है। उस समय मैं बेसिक शिक्षा का मंत्री था। जब मैं अपनी सामान्य शिष्टाचार के नियमों के प्रति असंवेदनशीलता का स्मरण करता हूं और एक 13-14 साल के विदेशी बच्चे के नियमों के प्रति सजगता को देखता हूं और उसके प्रोटेस्ट के स्वभाव को देखता हूं तो अपनी अल्पज्ञता का अनुभव होता है। काश हम भी सामान्य नियमों के प्रति उतने ही संवेदनशील हों। नियमों का पालन करने में अपने आप को छोटा न समझें। वीआईपी समझकर अपने आपको नियमों से ऊपर समझकर व्यवहार करने से बचें तो शायद अच्छा हो।

13-14 साल के बच्चे की सख्त प्रतिक्रिया

विदेशी बच्चे द्वारा लाइन तोड़ने पर तीखा विरोध-यह दृश्य नियमों के प्रति उनकी जागरूकता का स्पष्ट उदाहरण था।

एक अनजान यात्री की व्यंग्यात्मक टिप्पणी

चूक पर किसी अजनबी का तंज भीतर तक चुभ गया और समझ आ गया कि क्यों लोग भारत के बारे में गलत राय बना लेते हैं।

सभ्यता का मूल संदेश है नियमों का पालन करना और करवाना

नियमों का पालन करना किसी स्थिति में छोटापन नहीं-यह वास्तविक संस्कृति, शिष्टाचार और संवेदनशीलता का सबसे बड़ा परिचय है।

संपादकीय

शीतकालीन सत्र की चुनौती

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो गया है और विपक्ष ने अपने मुद्दे साफ कर दिए हैं। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में SIR है। लेकिन, सरकार और विपक्ष – दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। कई बिल कतार में शीत सत्र एक से 19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्यॉरिटी एंड नैशनल सिक्यॉरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है, जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है। सर्वदलीय बैठक इसके साथ विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, SIR, वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक, किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए, स्वागत योग्य है।

पिछला प्रदर्शन खराब लेकिन, कमोबेश इसी तरह की सहमति हर बार सेशन शुरू होने से पहले सर्वदलीय बैठकों में दिखती है और कार्यवाही शुरू होने के बाद राजनीति हावी हो जाती है। बीता हुआ मॉनसून सत्र इसका उदाहरण है, जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31% के आसपास और राज्यसभा की लगभग 39% रही। हंगामे और शोर-शराबे की वजह से दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण घंटे बर्बाद हो गए थे। SIR पर तनाव इस बार भी सदन के बाहर की सियासी स्थिति तनाव भरी है। 12 राज्यों में हो रहे Special Intensive Revision को लेकर विपक्ष की आपत्तियों की लिस्ट लंबी है। वह लगातार इस प्रक्रिया के औचित्य और पारदर्शिता पर सवाल उठा रहा है। इसे लेकर दोनों सदनों में भी भिड़ंत देखने को मिल सकती है, लेकिन यह दोनों पक्षों को समझना होगा कि हंगामेबाजी से किसी सवाल के जवाब नहीं मिलेंगे। दोनों पर जिम्मेदारी सदन को चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है, विपक्ष का काम ही है सरकार को घेरना और सवाल उठाना। लेकिन, दोनों को सदन की मयार्दा और कार्यवाही की अहमियत को ध्यान में रखना होगा। अगर देश के जनप्रतिनिधि पिछले सत्र से सबक लेकर आगे बढ़ते हैं, तो इससे अच्छा कुछ नहीं होगा।

लोकसभा ने पास किया मणिपुर जीएसटी द्वितीय संशोधन विधेयक, 2025

नई दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को मणिपुर जीएसटी (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025 पेश होने के बाद पारित हो गया। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के कारण यह संशोधन अध्यादेश के माध्यम से किया गया था, जिसे अब इस विधेयक के जरिए विधायी मान्यता मिल गई है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में मणिपुर जीएसटी (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया, जिसे सदन ने पारित कर दिया। यह विधेयक 7 अक्तूबर 2025 को जारी किए गए अध्यादेश की जगह लेगा और जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण फैसलों को लागू करने के लिए आवश्यक बदलावों को औपचारिक रूप देगा।

56वीं जीएसटी परिषद, जिसमें केंद्र और राज्य दोनों शामिल हैं, ने जीएसटी ढांचे का बड़ा पुनर्गठन करते हुए करीब 375 वस्तुओं पर कर दरों का सरलीकरण करने का निर्णय लिया था। इसके तहत 5%, 12%, 18% और 28% की चार दरों को खत्म कर दो स्लैब- 5% और 18% में समाहित किया गया। इसके अलावा, अत्यधिक विलासिता वाले उत्पादों पर 40% की विशेष कर दर तय की गई। नई दरें 22 सितंबर को देशभर में लागू हो चुकी हैं।

राष्ट्रपति शासन के बीच मणिपुर में जीएसटी कानून हुआ लागू

इन बदलावों को प्रभावी बनाने के लिए सभी राज्यों को अपने-अपने राज्य जीएसटी कानूनों में संशोधन करना आवश्यक था। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के कारण यह संशोधन अध्यादेश के माध्यम से किया गया था, जिसे अब इस विधेयक के जरिए विधायी मान्यता मिल गई है।

भारतीय शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊँचाई छूने के बाद हल्की गिरावट के साथ बंद

नई दिल्ली। भारतीय बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 64.77 अंक गिरकर 85,641.90 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 27.20 अंक गिरकर 26,175.75 अंक पर आ गया।

भारी मुनाफावसूली और विदेशी फंडों की निकासी के कारण बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को अपने नए सर्वकालिक उच्च स्तर को छूने के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 64.77 अंक या 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,641.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, सेंसेक्स 452.35 अंक या 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 86,159.02 अंक के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 27.20 अंक या 0.10 प्रतिशत गिरकर 26,175.75 अंक पर आ गया।

आरबीआई की ब्याज दरों में कमजोर कटौती की उम्मीदों ने बाजार पर डाला असर

एक विशेषज्ञ ने कहा कि दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर जीडीपी वृद्धि के बाद इस हफ्ते आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें धूमिल होने से बाजारों में उच्च स्तर पर गिरावट देखी गई। जुलाई-सितंबर में भारत की अर्थव्यवस्था के उम्मीद से ज्यादा 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने के बाद निवेशकों का रुझान सकारात्मक होने से बाजार अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गए, जो पिछली छह तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि थी।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, सन फार्मा, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक और बजाज फिनसर्व प्रमुख रूप से पिछड़े रहे। वहीं, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, मारुति, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोटक महिंद्रा बैंक, अडानी पोर्ट्स और एचसीएल टेक के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई।

तंबाकू और पान मसाला पर बड़ा बदलाव: सरकार ने दो नए विधेयक लोकसभा में पेश किए

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में तंबाकू उत्पादों और पान मसाला से जुड़े दो अहम विधेयक पेश किए हैं। पहला विधेयक केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन), 2025 वर्तमान में लागू जीएसटी क्षतिपूर्ति सेस की जगह लेगा। दूसरी ओर, स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025 पान मसाला जैसे उत्पादों के निर्माण पर नया सेस लगाने का अधिकार देता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में दो अहम विधेयक पेश किए, जिनके तहत तंबाकू उत्पादों और पान मसाला पर कर व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया जाएगा। सरकार का यह कदम सिन गुड्स पर कर ढांचे को नया रूप देने जा रहा है।

पहला विधेयक क्षतिपूर्ति सेस की जगह लेगा

पहला विधेयक केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन), 2025 वर्तमान में लागू जीएसटी क्षतिपूर्ति सेस की जगह लेगा। अभी यह सेस सिगरेट, चबाने वाले तंबाकू, सिगार, हुक्का, जर्दा और सुगंधित तंबाकू सहित सभी तंबाकू उत्पादों पर लगाया जाता है।

दूसरा विधेयक नया सेस लगाने का अधिकार देता है

दूसरी ओर, स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025 पान मसाला जैसे उत्पादों के निर्माण पर नया सेस लगाने का अधिकार देता है। सरकार जरूरत पड़ने पर किसी अन्य उत्पाद को भी इस सेस के दायरे में ला सकेगी।

विधेयक का उद्देश्य

इस विधेयक का उद्देश्य जीएसटी क्षतिपूर्ति सेस खत्म होने के बाद भी इन उत्पादों पर कर बोझ को सुरक्षित रखना है। विधेयक के उद्देश्यों और कारणों में स्पष्ट कहा गया है कि यह सरकार को तंबाकू और उसके उत्पादों पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क बढ़ाने की वित्तीय गुंजाइश देगा, ताकि कुल टैक्स भार में गिरावट न आए।

इस नए ढांचे के तहत सिगरेट, सिगार और चिरूट पर 5,000 से 11,000 प्रति 1,000 स्टिक की दर से उत्पाद शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। वहीं, बिना प्रसंस्कृत तंबाकू पर 60 से 70% और निकोटिन व इनहेलेशन आधारित उत्पादों पर 100% उत्पाद शुल्क का प्रावधान किया गया है। अभी सिगरेट पर 5% मूल्यानुसार क्षतिपूर्ति के अलावा लंबाई के आधार पर 2,076 से 3,668 प्रति 1,000 स्टिक तक का क्षतिपूर्ति सेस लगाया जाता है।

क्षतिपूर्ति उपकर समाप्त होने से उन उत्पादों पर 40% जीएसटी और उत्पाद शुल्क लागू

क्षतिपूर्ति उपकर समाप्त होने के बाद, तंबाकू और संबंधित उत्पादों की बिक्री पर 40 प्रतिशत जीएसटी और उत्पाद शुल्क लगेगा, जबकि पान मसाला पर 40 प्रतिशत जीएसटी और स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर लगेगा। वर्तमान में तंबाकू और पान मसाला जैसे उत्पादों पर 28% जीएसटी के साथ अलग-अलग दरों पर क्षतिपूर्ति सेस लगता है, जिसे अब नए ढांचे से प्रतिस्थापित किया जाएगा।

टीएमसी सांसद ने किया विधेयक का विरोध

वहीं, टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने इन विधेयकों का विरोध किया। उनका कहना था कि तंबाकू नुकसानदायक है, लेकिन केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक में इसका जिक्र तक नहीं है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि सेस की रकम राज्यों के साथ साझा नहीं होती, इसलिए वह इस नए सेस का विरोध करते हैं। राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए सेस लगाया गया था

जीएसटी शुरू होने के समय (1 जुलाई 2017) राज्यों को होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए क्षतिपूर्ति उपकर लगाया गया था, जिसकी अवधि 5 साल तय की गई थी। बाद में इसे बढ़ाकर मार्च 2026 कर दिया गया, ताकि कोविड काल में राज्यों को मुआवजा देने के लिए केंद्र द्वारा लिए गए कर्ज की भरपाई हो सके। यह कर्ज दिसंबर 2025 के आसपास पूरा चुक जाने की उम्मीद है, जिसके बाद क्षतिपूर्ति उपकर पूरी तरह खत्म हो जाएगा। जीएसटी परिषद ने 3 सितंबर 2025 को फैसला किया था कि तंबाकू और पान मसाला पर क्षतिपूर्ति उपकर तब तक जारी रहेगा जब तक कर्ज पूरा नहीं चुक जाता। दूसरी ओर, अन्य लग्जरी सामानों पर क्षतिपूर्ति उपकर सितंबर 2025 में खत्म हो गया, जब जीएसटी ढांचे में बदलाव कर केवल दो दरें, 5% और 18% रखी गईं। बहुत महंगे उत्पादों, एरेटेड ड्रिंक्स और अन्य अवगुण वस्तुओं पर 40% की दर तय की गई। अब सरकार की ओर से लाए गए केंद्रीय उत्पाद शुल्क संशोधन विधेयक, 2025 और स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025 यह सुनिश्चित करेंगे।

रोचक तथ्यों का करंट

- जुराब यानि मोजे पहन कर सोने वाले लोग रात में बहुत कम बार जागते हैं या बिलकुल नहीं जागते हैं।
- कोई भी अपने आप को सांस रोक कर नहीं मार सकता है।
- जरुरत से ज्यादा टेंशन आपके दिमाग को कुछ समय के लिए बंद कर सकती है।
- चीनी को जब चोट पर लगाया जाता है, तो दर्द तुरंत कम हो जाता है।
- 92% लोग सिर्फ हंस देते हैं, जब उन्हें सामने वाले की बात समझ नहीं आती है।
- आपको जानकर आश्चर्य होगा की 8-औंस दूध के गिलास जितनी कैल्शियम की मात्रा प्राप्त करने के लिए आपको एक चौथाई ब्रोकोली, सात संतरे या गेहूं की रोटी के छह स्लाइस खाने पड़ते हैं।
- प्राचीन यूनानियों ने दूध को दवा के रूप में इस्तेमाल किया और उनके ओलंपिक एथलीटों ने दूध के साथ खुद को ताकत दि थी!
- चींटियाँ कभी भी नहीं सोती हैं।
- नील आर्मस्ट्रांग ने चन्द्रमा पर अपना बायां पैर पहले रखा था। उस समय उनका दिल 1 मिनट में 156 बार धड़क रहा था।

नवंबर में जीएसटी संग्रह मामूली बढ़त पर, घरेलू राजस्व में 2.3% की गिरावट

नई दिल्ली। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सकल जीएसटी संग्रह नवंबर महीने में 0.7 प्रतिशत की धीमी गति से बढ़कर 1.70 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं जीएसटी सुधारों के कारण सकल घरेलू राजस्व 2.3 प्रतिशत घटकर 1.24 लाख करोड़ रुपये से अधिक रह गया।

सकल जीएसटी संग्रह नवंबर महीने में 0.7 प्रतिशत की धीमी गति से बढ़कर 1.70 लाख करोड़ रुपये हो गया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार घरेलू राजस्व में गिरावट के कारण यह वृद्धि हुई। वहीं पिछले साल नवंबर में जीएसटी संग्रह 1.69 लाख करोड़ रुपये से अधिक था। नवंबर में वस्तुओं

के आयात से राजस्व 10.2 प्रतिशत बढ़कर 45,976 करोड़ रुपये हो गया।

जीएसटी सुधारों के कारण सकल घरेलू राजस्व में आई गिरावट सकल घरेलू राजस्व 2.3 प्रतिशत घटकर 1.24 लाख करोड़ रुपये से अधिक रह गया। यह गिरावट 22 सितंबर से प्रभावी 375 वस्तुओं के लिए जीएसटी दरों में कटौती के बाद आई है।

जेट ईंधन 5.4% महंगा, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 10 रुपये सस्ता

नई दिल्ली। जेट ईंधन की कीमतों में सोमवार को करीब 5.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई। वहीं कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 10 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई। वहीं घरेलू रसोई गैस की कीमतें 14.2 किलोग्राम सिलेंडर के दाम 853 रुपये पर अपरिवर्तित रहीं।

एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) यानी जेट ईंधन की कीमतों में सोमवार को करीब 5.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई। वहीं कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 10 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई। यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय बाजार के दामों के अनुरूप मासिक समीक्षा के तहत किया गया है। सरकारी ईंधन

खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, दिल्ली में एटीएफ की कीमतें 5,133.75 रुपये प्रति किलोलीटर बढ़कर 99,676.77 रुपये प्रति किलोलीटर हो गईं। यह लगातार तीसरी मासिक वृद्धि है।

राजधानी दिल्ली में वाणिज्यिक रसोई गैस की कीमतें

इसके अलावा, होटलों और रेस्टोरेंट में इस्तेमाल होने वाले 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में घटाकर 1,580.50 रुपये कर दी गई है।

यह लगातार दूसरी कटौती है, जिसने अक्तूबर में की गई 15.50 रुपये की बढ़ोतरी की भरपाई कर दी है (1 नवंबर को प्रति सिलेंडर कीमतों में 5 रुपये की कटौती की गई थी)। अप्रैल से अब तक हुई छह कटौतियों के बाद वाणिज्यिक रसोई गैस की कीमतों में कुल 223 रुपये प्रति सिलेंडर की कमी आई है। घरेलू रसोई गैस की कीमतें रही अपरिवर्तित घरेलू रसोई गैस की कीमतें 14.2 किलोग्राम सिलेंडर के दाम 853 रुपये पर अपरिवर्तित रहीं।

परिचालन लागत में ईंधन का हिस्सा 40 प्रतिशत

बता दें कि 1 नवम्बर को ब्याज दरों में लगभग 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी व 1 अक्तूबर को 3.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। नवीनतम वृद्धि से एयरलाइनों पर दबाव बढ़ने की उम्मीद है, जिनके परिचालन लागत में ईंधन का हिस्सा लगभग 40 प्रतिशत है।

इन शहरों में कितनी बढ़ी कीमतें?

मुंबई में एटीएफ की कीमत संशोधित कर 93,281.04 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई। वहीं चेन्नई और कोलकाता में कीमतें बढ़ाकर क्रमश: 1,03,301.80 रुपये और 1,02,371.02 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गईं। वैट जैसे स्थानीय करों के कारण ईंधन की कीमतें अलग-अलग शहरों में अलग-अलग होती हैं।

राशिफल

मेष: आपसी अविश्वास आपके रिश्ते में दरार पैदा करेगा। मन विचलित रहेगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य चिंता का विषय बन सकता है।

वृष: किसी कारणवश आप साथी को शत्रु भी मान सकते हैं। प्रेम जीवन में तनाव की स्थिति उत्पन्न होगी। दांपत्य जीवन में आपको अपने पार्टनर का सहयोग मिलेगा।

मिथुन: सगाई के योग बन रहे हैं। कामकाजी पत्नी मिलने की संभावना है। मनचाहा जीवनसाथी पाने की इच्छा पूरी हो सकती है।

कर्क: पार्टनर के साथ रोमांटिक ट्रिप पर जा सकते हैं। आज का दिन रोमांस से भरपूर रहने वाला है। प्रेमिका से अनबन हो सकती है।

सिंह: दोस्त या भाई बहन से झगड़ा हो सकता है। अपने प्रेमी की इच्छाओं का ध्यान रखें और उन्हें पूरा सम्मान दें, नहीं तो दूरियां बन सकती हैं।

कन्या: विचारों के आदान-प्रदान से आपसी प्रेम बढ़ेगा। कुछ समय के लिए प्यार में आपसी दूरी बढ़ सकती है। कार्यक्षेत्र में किसी अनजान साथी से मित्रता बढ़ेगी।

तुला: धन संबंधी परेशानी आपको अपनों से दूर रखेगी। जो प्रेमी युगल प्रेम विवाह करना चाहते हैं उनके लिए आज का दिन उत्तम है।

वृश्चिक: बिना किसी ठोस वजह के पार्टनर से मनमुटाव होगा। बेवजह के गुस्से से आपसी प्रेम में कमी आएगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

धनु: पार्टनर के साथ मनमुटाव, राय या जीवनशैली में मतभेद हो सकता है। अपने प्रियजन को समझें। कुछ दिलचस्प बातों से दूर करें आपसी तनाव।

मकर: लव पार्टनर से मिलने का इंतजार खत्म होगा। प्रेमिका के साथ मनमुटाव की दौड़ समाप्त होगी। पारिवारिक मामलों पर जीवनसाथी के साथ बहस हो सकती है।

कुंभ: मन भ्रमित है। पुराने मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। पार्टनर के साथ ज्यादा समय बिताएं। मन प्रसन्न रहेगा। मूवी देखने जाने से नजदीकियां आएंगी।

मीन: जीवनसाथी के साथ बेवजह के विवादों से बचें। लव लाइफ में पार्टनर का सहयोग मिलने वाला है। प्रेमिका को किसी रोमांटिक जगह पर ले जा सकते हैं।

चुटकुले

लड़की वाले- आपका बेटा क्या करता है?
लड़के वाले- जी वह पायलट है,
लड़की वाले- कौन सी एयरलाइंस में?
लड़के वाले- जी वो शादियों में ड्रोन उड़ाता है...
लड़की वाले चकरा गए...

रामू सिर पर हाथ धरे बैठा था,
पास से गुजर रहे व्यक्ति ने पूछा क्या हुआ भाई क्यों परेशान बैठे हो?
रामू- यार क्या बताऊं 2 टन का एसी खरीदा था, घर जाकर तौला तो 62 किलो का ही निकला...

एक कंजूस पति को करंट लगा
पत्नी- आप ठीक तो हो ना?
पति- मैं ठीक हूं, तू मीटर देख...यूनिट कितना बढ़ा...

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

हैदराबाद में लियोनल मेसी का जादू!

हैदराबाद। दुनिया के महानतम फुटबॉलरों में शुमार लियोनेल मेसी जल्द ही भारत आने वाले हैं, और उनके इस दौरे को लेकर उत्साह चरम पर है। खबर है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी मेसी की मौजूदगी में होने वाले एक फ्रेंडली फुटबॉल मैच की शुरूआत करेंगे।

सरकारी जश्न का हिस्सा होगा फुटबॉल मुकाबला: यह फ्रेंडली मैच तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले बड़े समारोह का हिस्सा है। हालांकि मैच के अन्य विवरणों की आधिकारिक घोषणा कुछ दिनों में की जाएगी, लेकिन मेसी की मौजूदगी को लेकर पहले ही बड़ा उत्साह देखने को मिल रहा है।

रेवंत रेड्डी की फुटबॉल पसंद फिर आई सामने: मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी केवल राजनीतिक ही नहीं बल्कि खेल के मैदान में भी सक्रिय रहे हैं। वह खुद फुटबॉल खेलना पसंद करते हैं और हाल ही में उन्होंने खिलाड़ियों के साथ अभ्यास भी किया।

सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली की गावस्कर ने वनडे क्रिकेट का सबसे बड़ा बल्लेबाज के रूप में की तुलना

रांची। विराट कोहली के 52वें शतक के बाद उनका सचिन तेंदुलकर से तुलना होना तय था और गावस्कर ने इस विषय पर बिना किसी झिझक के बात की। तेंदुलकर के 51 वनडे शतकों को लंबे समय तक ऐसा रिकॉर्ड माना गया जिसे कोई फिर कभी नहीं छू सकेगा, लेकिन अब कोहली उसे पार कर चुके हैं।

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर कभी भी क्रिकेट के महान खिलाड़ियों की तुलना करते हुए आसानी से तारीफ नहीं करते, लेकिन रांची में विराट कोहली की 52वीं वनडे सेंचुरी ने पूर्व भारतीय कप्तान को भी उनकी जगह और महत्व के बारे में बेहद स्पष्ट और प्रभावशाली ढंग से बोलने पर मजबूर कर दिया है। गावस्कर के लिए जवाब साफ है- वनडे क्रिकेट में कोहली अब उस मुकाम पर पहुंच चुके हैं, जहां सिर्फ कुछ ही खिलाड़ी कभी पहुंचे होंगे। गावस्कर ने रविवार को विराट कोहली को अब तक का सबसे महान वनडे क्रिकेटर बताया और कहा कि इस भारतीय दिग्गज के शतकों का विश्व रिकॉर्ड इस प्रारूप में उनके बेजोड़ कद को दिखाता है।

वनडे फॉर्मेट में महान कौन?

कोहली ने रविवार को अपना 52वां वनडे अंतरराष्ट्रीय शतक बनाया। उन्होंने 120 गेंद पर 135 रन की पारी खेली जिससे भारत ने पहले वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आठ विकेट पर 349 रन बनाए। गावस्कर ने 'जियोस्टार' से कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई शक है। मेरा मतलब है कि यह सिर्फ मैं नहीं सोचता हूं। मुझे लगता है कि जो लोग उनके साथ और उनके खिलाफ खेले हैं वे सभी इस बात से सहमत हैं कि वह वनडे फॉर्मेट में सबसे महान हैं।'

उन्होंने कहा, 'देखिए, कोहली ने 52 शतक बनाए हैं। यह उन्हें बहुत ऊपर ले जाता है, ऐसा कह सकते हैं।' भारत के पूर्व कप्तान ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग ने भी कोहली की काबिलियत को माना था। गावस्कर ने कहा, 'मैंने अभी सुना कि रिकी पोंटिंग ने कहा कि उन्होंने जिन्हें देखा है उनमें कोहली वनडे क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ हैं। मेरा मतलब है कि जब कोई ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कहता है कि कोहली सबसे अच्छे हैं तो मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई बहस की गुंजाइश है। हर कोई इस बात से सहमत होगा कि किसी ऑस्ट्रेलियाई से तारीफ मिलना बहुत कम होता है।'

'कोच थोड़े बहक गए थे'

गावस्कर ने कहा, 'लेकिन इसे मानना और इसकी भरपाई करना सभी को मंजूर होगा।

ऐसी चीजें होती हैं। जोश में आकर आप बहक सकते हैं और कुछ ऐसा कह सकते हैं जो थोड़ा अधिक हो जाए। पिछले 30 वर्षों में भारतीय और दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के बीच मजबूत रिश्तों को देखते हुए मुझे लगता है कि वह बस यह साफ कर सकते हैं कि वह थोड़ा बहक गए थे।'

सचिन से ऊपर कोहली

गावस्कर ने कहा कि एक समय था जब कहा जाता था कि सचिन तेंदुलकर के 51 वनडे शतक को कोई छू नहीं सकेगा, लेकिन इस रिकॉर्ड को पार करना कोहली को अलग पहचान दिलाता है। उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि सचिन 51 शतक के साथ शीर्ष पर थे, लेकिन जब आप महान सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ देते हैं तो आपको पता चलता है कि आप कहां खड़े हैं।' गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के कोच शुकरी कॉनराड की भारत पर विवादित घुटने पर लाने (ग्रोवेल) वाली टिप्पणी को गलत सलाह वाली टिप्पणी बताया। उन्होंने कहा, 'यह एक गलत सलाह वाली टिप्पणी हो सकती है झ्र गलत समय, गलत जगह। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मीडिया से बात करते हुए वह इस पर बात करेंगे। मुझे नहीं लगता कि माफी मांगने की जरूरत है। मैं निजी तौर पर माफी में विश्वास नहीं रखता।'

रांची की शतकीय पारी में विराट कोहली का बदला हुआ अंदाज है 2027 वनडे विश्व कप की तैयारी

रांची। यह कहना अभी जल्दी होगा कि वे इसी ढर्रे पर आगे बढ़ेंगे या नहीं, लेकिन अगर यह बदलाव स्थायी है तो शायद इतिहास इस मैच को उस मैच के रूप में याद रखेगा, जहां विराट कोहली ने अपने वनडे करियर का अंतिम रूप चुना।

रांची के मैदान पर रविवार, 30 नवंबर को कुछ असाधारण हुआ। विराट कोहली, जिन्हें उनकी नियंत्रित बल्लेबाजी, रनिंग बिटवीन द विकेट्स और धैर्यपूर्ण बिल्ड-अप के लिए जाना जाता है, अचानक एक नए किरदार में नजर आए। उनकी पारी की शुरूआत ही दो दमदार छक्कों से हुई, कुछ ऐसा जो कोहली शायद ही कभी अपने शुरूआती ओवरों में करते हैं, लेकिन इसी बदलाव ने चर्चा को जन्म दिया कि क्या विराट अपने खेल को बदल रहे हैं? और क्या ये बदलाव 2027 वनडे विश्व कप की तैयारी का हिस्सा है?

यशस्वी जायसवाल के जल्दी आउट होने के बाद आमतौर पर कोहली पारी को संभालने की जिम्मेदारी उठाते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी पेसर्स को बैकफुट और फ्रन्टफुट दोनों पर चुनौती दी और पिच के व्यवहार को देखते हुए तुरंत अपने गियर बदल लिए। यह कोहली का वही अंदाज था जिसे उन्होंने बहुत कम मौकों पर अपनाया है, लेकिन हर बार क्रिकेट जगत को हैरान किया है।

क्या ये रणनीति का बदलाव?

यह सवाल इस पारी को खास बनाता है कि क्या यह सिर्फ कंडीशन के हिसाब से खेला गया आक्रामक नॉक था? या कोहली अब अपनी वनडे बल्लेबाजी को तीसरे चरण में ले जा रहे हैं, जहां अनुभव और शक्ति एक साथ दिखाई दे? रांची वनडे कोहली के वनडे करियर का सिर्फ तीसरा मौका था जहां उन्होंने सात छक्के लगाए। इससे पहले उन्होंने ऐसा 2023 में श्रीलंका के खिलाफ (आठ छक्के) और 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ (सात छक्के) किया था। इन सभी पारियों में एक पैटर्न है, जब कोहली अपने शॉट्स को आजादी से खेलते हैं, तो वो सिर्फ रन नहीं बनाते, मैच की कहानी बदल देते हैं।

इस पारी में कोहली की शॉट-सिलेक्शन बेहद खास रही। उसी लेंथ की गेंदों पर उन्होंने तीन अलग-अलग शॉट खेले। एक शॉट लॉन्ग ऑफ, दूसरा शॉट लॉन्ग ऑन और तीसरा शॉट मिड विकेट पर खेला गया। यही वजह थी कि दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज फील्ड सेट करने में असफल रहे। कोहली सिर्फ रन नहीं बना रहे थे, वो पेसर्स और फील्डिंग प्लान्स को क्लासरूम में पढ़ा रहे थे।

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित शर्मा ने भी अपनी बल्लेबाजी के अंदाज में बदलाव किया था। उन्होंने अपनी हिट-या-मिस आक्रामक शैली से हटकर फिर से क्लासिकल वनडे एंकर की भूमिका निभाई थी और अब कोहली इसके उलट, एनर्जी-इनिशिएटेड वनडे मॉडल पर चलते दिखे। क्या यह महज संयोग है? शायद नहीं। भारतीय टीम फिलहाल बदलाव के दौर में है, जहां शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ी भविष्य की तैयारी में हैं। ऐसे में कोहली जानते हैं कि प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है और बदलाव जरूरी है।

विशेषज्ञों की राय : क्यों ये पारी ऐतिहासिक हो सकती है

इस पारी पर दो महान खिलाड़ियों की टिप्पणियां चर्चा में रहीं। महान सुनील गावस्कर ने कहा कि कोहली ने सीधे बल्ले से खेला और आत्मविश्वास से शॉट खेला। यही कोहली को अलग बनाता है।' वहीं, दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज पेसर डेल स्टेन ने कहा कि कोहली ने कुछ भी जबरदस्ती नहीं किया। टाइमिंग और कंट्रोल अविश्वसनीय था।'

जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम, स्विट्जरलैंड से होगा सामना

मदुरै। भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी और अब उसका सामना एफआईएच जूनियर विश्व कप में अपने अंतिम ग्रुप मैच में मंगलवार को स्विट्जरलैंड से होगा। भारतीय टीम अच्छी फॉर्म में चल रही है, लेकिन उसे अब तक असली चुनौती नहीं मिली है। भारत की कोशिश रहेगी कि नॉकआउट चरण से पहले टीम अपने कमजोर पक्ष को दूर करे।

भारत-स्विट्जरलैंड की टीमें चल रही हैं अजेय: भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है।

चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने पहले मैच में चिली को 7-0 से और फिर ओमान को 17-0 से हराया। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने ओमान को 4-0 से हराया और फिर चिली पर 3-2 से जीत हासिल की। भारतीय टीम से उम्मीद की जा रही है कि वह अपना विजय अभियान जारी रखकर नॉकआउट से पहले बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। लेकिन नॉकआउट चरण से पहले भारत के लिए कुछ चिंताएं बनी हुई हैं।

पहले दो मैचों में भारतीय रक्षापंक्ति की ज्यादा परीक्षा नहीं हुई क्योंकि गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह को किसी तरह की खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा। कप्तान रोहित की अगुआई में रक्षापंक्ति भी टूर्नामेंट के अंतिम चरण में अधिक सक्रिय रहना चाहेगी। भारत के लिए चिंता का एक अन्य क्षेत्र पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर पाना है।

बीसीसीआई सीओई पहुंचेंगे शुभमन गिल, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज का होंगे हिस्सा

नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम में कोई अप्रत्याशित बदलाव होने की संभावना नहीं है। लेकिन अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति सीओई से गिल की फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार करेगी।

भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल चोट से उबर रहे हैं और मैदान पर वापसी करने की तैयारियों में जुट गए हैं। गिल सोमवार को बंगलूरू स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचेंगे जहां वह अनिवार्य फिटनेस प्रोटोकॉल में हिस्सा लेंगे। इससे गिल के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में शामिल होने की उम्मीद बढ़ गई है।

टेस्ट सीरीज के दौरान लगी थी चोट

गिल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान बल्लेबाजी करते वक्त गर्दन में चोट लग गई थी जिस कारण वह टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए थे और वनडे सीरीज में भी हिस्सा नहीं ले सके। अगर कोई चोट का मामला ना हो तो भारतीय टी20 टीम में कोई अप्रत्याशित बदलाव होने की संभावना नहीं है। लेकिन अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति सीओई से गिल की फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार करेगी।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, 'गिल को एक इंजेक्शन दिया गया और 21 दिनों के आराम और रिहैब की सलाह दी गई, जिसमें चोट वाले हिस्से की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए विशिष्ट व्यायाम शामिल थे। जाहिर है कौशल प्रशिक्षण शुरू करने से पहले खेल विज्ञान टीम उनके सभी अनिवार्य फिटनेस परीक्षणों से गुजरेगी। जब तक खेल विज्ञान टीम कौशल प्रशिक्षण के दौरान उनकी गतिविधियों का आकलन नहीं कर लेती और यह नहीं देख लेती कि बल्लेबाजी करते समय उन्हें कोई असुविधा तो नहीं हो रही है, तब तक कुछ नहीं कहा जा सकता।' फिलहाल गिल का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में शामिल होना 50-50 है। भारतीय प्रशंसकों के लिए राहत की बात यह है कि हार्दिक पांड्या पूरी तरह फिट हो गए हैं और उन्हें टी20 प्रारूप में खेलने की मंजूरी मिल गई है। वह मंगलवार को पंजाब के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल सकते हैं।

रांची वनडे के बाद रोहित और गंभीर के 'सीरियस टॉक' ने बढ़ाई उत्सुकता

- 'शायद रणनीति पर चर्चा हो रही है।'
- 'क्या रोहित गंभीर को बता रहे थे कि आईपीएल आपसी रिश्ते से बड़ा नहीं?'
- 'कमाल है! मैच जीत भी गए और ड्रामा भी मिल गया!'

रांची। भारत ने रांची में खेले गए पहले वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराकर सीरीज में मजबूत शुरूआत की। मैच के बाद मैदान से ज्यादा चर्चा सोशल मीडिया पर उन तस्वीरों की रही, जिसमें रोहित शर्मा और टीम के हेड कोच गौतम गंभीर एक गंभीर और एनिमेटेड बातचीत में नजर आए। वीडियो के सामने आते ही फैंस ने कयास लगाने शुरू कर दिए कि आखिर इस बातचीत का विषय क्या था।

कोहली और रोहित का बल्ले से जवाब

इस मैच ने दो बड़ी कहानी दिखाई, एक मैदान पर और एक मैदान के बाहर। लंबे समय से आलोचकों और चयन बहसों का सामना कर रहे विराट कोहली और रोहित शर्मा ने अपने प्रदर्शन से सवालों को चुप करा दिया। कोहली ने 120 गेंदों में 135 रन की पारी खेली, जबकि रोहित शर्मा ने 51 गेंदों में 57 रन बनाए।

कोहली ने अपनी धमाकेदार पारी से न सिर्फ मैच जिताया बल्कि 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी बने। रांची में लगा यह शतक उनके वनडे करियर का 52वां था, जिसने एक बार फिर उनके क्लास और निरंतरता को साबित किया।

सोशल मीडिया पर चर्चा गरम

जैसे ही मैच खत्म हुआ, कैमरों ने रोहित और गंभीर को गहन चर्चा में कैद किया। बातचीत के दौरान दोनों बार-बार इशारे करते और गंभीर भावों के साथ बात करते दिखे। इसकी तस्वीरें वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कुछ फैंस की प्रतिक्रियाएं इस तरह थीं-

मैच में क्या हुआ?

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 349/8 का बड़ा स्कोर खड़ा किया। दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत खराब रही और उन्होंने 11 रन पर तीन विकेट खो दिए। हालांकि, पुछल्ले बल्लेबाजों के दम पर दक्षिण अफ्रीका की टीम 49.2 ओवर में 332 रन बनाने में कामयाब रही, लेकिन 17 रन से मैच हार गई। मार्को यानसेन ने 39 गेंद पर 70 रन की तूफानी पारी खेली, जबकि कॉर्बिन बॉश ने 51 गेंद में 67 रन बनाए।

भारत के लिए हर्षित राणा ने तीन विकेट लिए, जबकि अर्शदीप सिंह को दो विकेट मिले। हालांकि यह बातचीत क्या थी, इसका कोई आधिकारिक जवाब अब तक नहीं आया।

कोहली के शतक पर रोहित की दहाड़ और गंभीर की झप्पी वायरल

रांची। रांची में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला वनडे सिर्फ विराट कोहली के शतक की वजह से नहीं, बल्कि रोहित शर्मा और गौतम गंभीर की दिल छू लेने वाली प्रतिक्रियाओं की वजह से भी सुर्खियों में है। एक तरफ रोहित कैमरे में खुशी से दहाड़ते नजर आए, तो दूसरी ओर गंभीर ने ड्रेसिंग रूम में कोहली को गले लगाकर भावनाओं की बौछार कर दी।

क्या रांची में दिखा दोस्ती का नया रूप?

रांची वनडे में जैसे ही विराट कोहली ने अपना 52वां शतक पूरा किया, तो पूरा जेएससीए स्टेडियम खुशी से झूम उठा, लेकिन सोशल मीडिया पर जितनी चर्चा कोहली की पारी की हुई, उतनी ही वायरल हुआ रोहित शर्मा का रिएक्शन जो उतनी ही रॉ, इमोशनल और बिना फिल्टर के थी।

रोहित का रिएक्शन, भावनाओं का विस्फोट

मार्को यानसेन की गेंद जैसे ही प्वॉइंट के पास से सीमा रेखा पार गई और कोहली का शतक पूरा हुआ, कैमरों ने ड्रेसिंग रूम में बैठे रोहित शर्मा को कैद किया।

रोहित अचानक उछले, ताली बजाईं, हवा में हाथ मारकर चीखे और ऐसा लगता था कि उन्होंने आक्रामक जश्न मनाया और यह भावनाओं का विस्फोट था, लेकिन इस रिएक्शन में गुस्सा नहीं, सिर्फ खुशी, सम्मान और भाईचारा था। यह वो पल था जब दो सबसे अनुभवी भारतीय बल्लेबाज जगजाहिर कर रहे थे कि उनके बीच सिर्फ प्रोफेशनल रिश्ता नहीं, बल्कि एक गहरा बंधन है।

गंभीर का भी रिएक्शन वायरल

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी विराट कोहली की धमाकेदार पारी के बाद उनके साथ दिल छू लेने वाला पल साझा किया।

रांची वनडे सिर्फ एक मैच नहीं था, ये याद दिलाने वाला पल था कि दो दिग्गज अभी भी अपनी कहानी का आखिरी चैप्टर लिखने की जल्दी में नहीं हैं।

कोहली आउट होने के बाद जब ड्रेसिंग रूम की ओर लौटे, तो गौतम गंभीर ने उन्हें गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया और फिर गले लगाए। इस भावुक पल की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं और फैंस ने इसे भारतीय क्रिकेट की खूबसूरत स्पोर्ट्समैनस्पिरिट और बदलते रिश्तों की नई कहानी करार दिया।

दो लीजेंड्स की साझेदारी : आंकड़े भी बोलते हैं

मैच में दोनों के बीच 109 गेंदों पर 136 रन की साझेदारी हुई। ये उनका वनडे में 20वां शतकीय स्टैंड था। रोहित ने 57 (51) रन बनाए, जबकि कोहली ने 135 (120) रन, जिसमें 11 चौके और सात छक्के शामिल थे। इस पारी के साथ कोहली ने किसी एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल सेंचुरी का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने सचिन तेंदुलकर (51) को पीछे छोड़ दिया। दूसरी तरफ रोहित शर्मा ने शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड तोड़ते हुए वनडे में सबसे ज्यादा छक्के (352) मारने का नया इतिहास लिखा।

क्या बदली है लोगों की धारणा?

पिछले कुछ महीनों में अक्सर दोनों खिलाड़ियों पर सवाल उठते रहे हैं कि क्या वे 2027 वनडे विश्व कप तक खेलेंगे? क्या टीम मैनेजमेंट उन्हें नए प्लान में फिट देखता है? लेकिन रांची की पारी ने इन सवालों के ऊपर एक नया एंगल दे दिया। दोनों ने भारत के पिछले दो वनडे में बताया है कि परफॉर्मेंस और अनुभव अभी भी गेम-चेंजर है।

सिर्फ क्रिकेट नहीं, केमिस्ट्री भी हाईलाइट में

लंबे समय तक सोशल मीडिया ने इन्हें तुलना और कथित दरारों के आइडेंटिटी में रखा, लेकिन रांची ने साबित कर दिया कि यह कहानी इससे कहीं आगे बढ़ चुकी है। अब इस रिश्ते में प्रोफेशनल कंपटीशन नहीं, बल्कि पारस्परिक सम्मान और एक तरह की खिलाड़ी-से-खिलाड़ी ऊर्जा दिख रही है। बहरहाल चयनकर्ता भविष्य की सोच रहे हैं, लेकिन जब रोहित और कोहली इस अंदाज और टच के साथ खेलते हैं, तो उन्हें नजरअंदाज करना किसी के लिए भी असंभव है। रांची वनडे सिर्फ एक मैच नहीं था, ये याद दिलाने वाला पल था कि दो दिग्गज अभी भी अपनी कहानी का आखिरी चैप्टर लिखने की जल्दी में नहीं हैं।

को-लीडर बनकर लंदन चेस क्लासिक में चमके प्रज्ञानंद

नई दिल्ली। प्रज्ञानंद ने दिन की शुरूआत हंगरी के ग्रैंडमास्टर टामस फोडोस जूनियर के खिलाफ सिर्फ 21 चालों में ड्रॉ खेलकर की, लेकिन दूसरे मुकाबले में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए इस्राइल के इंटरनेशनल मास्टर एटन रोजेन को हराया।

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने लंदन चेस क्लासिक ओपन 2025 में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए टूर्नामेंट के को-लीडर बन गए हैं। उन्होंने छठे राउंड तक 5/6 अंक हासिल किए हैं और इस समय सर्बिया के ग्रैंडमास्टर वेलिमिर इविक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

प्रज्ञानंद ने दिन की शुरूआत हंगरी के ग्रैंडमास्टर टामस फोडोस जूनियर के खिलाफ सिर्फ 21 चालों में ड्रॉ खेलकर की, लेकिन दूसरे मुकाबले में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए इस्राइल के इंटरनेशनल मास्टर एटन रोजेन को हराया। उनका अगला मुकाबला अब वेलिमिर इविक से होगा, जो टूर्नामेंट का निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

विश्व रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों की स्थिति

ताजा फीडे दिसंबर 2025 रेटिंग सूची में प्रज्ञानानंदा ने कुछ रेटिंग अंक गंवाने के बावजूद अपनी विश्व नंबर 7 रैंकिंग बरकरार रखी है। वहीं, भारत के एक और युवा सितारे अरुण एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6.4 ए'ङ्क अंक जोड़े और वह फिर से विश्व नंबर 5 पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर, मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को विश्व कप 2025 के तीसरे दौर से बाहर होने के बाद रैंकिंग में गिरावट का सामना करना पड़ा और वह अब टॉप-10 में 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वर्तमान में विश्व के टॉप 30 खिलाड़ियों में केवल पांच भारतीय शामिल हैं।

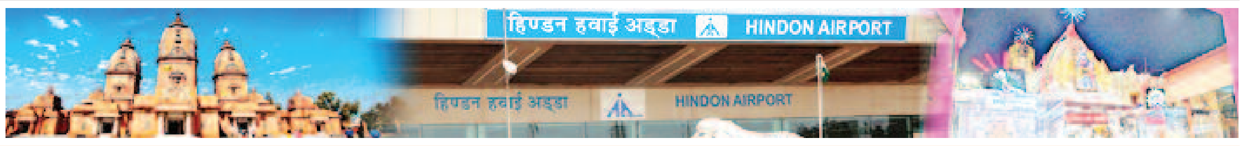

क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया के पुत्र वर्तुल को आशीर्वाद देने पहुंचे राजनीति के दिग्गज

गाजियाबाद करंट क्राइम। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया के सुपुत्र वर्तुल का शुभ विवाह वेदांता फार्म हाऊस में धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस विवाह समारोह में राजनीति के दिग्गज पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे और उन्होंने वर-वधु को आशीर्वाद प्रदान किया। विवाह समारोह में भाजपा की राजनीति के प्रमुख चेहरे नजर आये। क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में राजनीति के अलावा, समाजसेवा, पत्रकारिता और व्यापार जगत के गणमान्य लोग भी पहुंचे।

घर में घुसकर छात्रा के सिर पर मार दी गोली

मोदीनगर करंट क्राइम। नगलाबेर गांव में एक युवक ने घर में घुसकर छात्रा के सिर पर गोली मार दी। पुलिस के अनुसार, छात्रा मेरठ के निजी अस्पताल में भर्ती है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। वारदात के बाद आरोपी भाग गया। छात्रा के भाई की तहरीर पर उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। उसकी तलाश की जा रही है। घटना के कारणों का अभी पता नहीं चला है। भोजपुर थानाक्षेत्र के नगलाबेर गांव में रहने वाले अशोक कुमार की बेटी एमएससी प्रथम वर्ष की छात्रा है। पुलिस के अनुसार, छात्रा के भाई अंशुल ने तहरीर देकर बताया कि शनिवार रात वह घर में अकेली थी। इसी दौरान गांव में रहने वाला प्रदीप कुमार घर में घुस गया और छात्रा पर तमंचे से फायरिंग कर दी। सिर पर गोली लगने से वह लहूलुहान होकर गिर गई। गोली चलने की आवाज सुन परिजन व आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। तब तक आरोपी भाग चुका था।

जल्द मिल सकती हैं नई गाड़ियां

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में लगातार पुलिस का बल और अधिकारियों की संख्या बढ़ रही है। तो वहीं इंस्पेक्टर और एसीपी स्तर के अधिकारियों की संख्या में वृद्धि हो रही है जबकि इसके अनुपात में पुलिस के वाहन कम पड़ रहे हैं। उधर लखनऊ के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बीते महीने प्रदेश सरकार ने अलग-अलग जिलों और कमिश्नरेट के लिए पुलिस का रिस्पांस टाइम बेहतर बनाने के लिए बड़ी संख्या में दोपहिया और चारपहिया वाहनों को खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। जिसके लिए अनुमति मिल गई है। अब बताया जा रहा है कि कई करोड़ का बजट पास हुआ है। जिसके तहत बड़ी संख्या में पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए वाहन लिए जाने हैं। यह वाहन यूपी-112 और अन्य अधिकारियों के लिए भी होंगे। इसमें पुलिस के अधिकारियों को लग्जरी वाहन मिल सकते हैं, तो वहीं पुलिस की पेट्रोलिंग व्यवस्था को सुधारने और सर्दियों के मौसम में क्राइम कंट्रोल के मकसद से बाइक और पीआरवी भी उपलब्ध कराई जाएगी। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इन दिनों

यातायात वाले महकमे में वाहनों का सबसे ज्यादा टोटा चल रहा है। यहां थ्री-स्टारों की संख्या 12 हो चुकी है। तो वाहनों के लिहाज से केवल ट्रैफिक में नौ ही इंस्पेक्टर्स के पास सरकारी वाहन हैं जबकि वह सभी फील्ड की ड्यूटी में तैनात हैं। उनके पास भारी भरकम काम का जिम्मा है, इसके बावजूद उसके उनपर वाहनों का टूटा है। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में आने वाली आईपीएस का वेट हो रहा है। सुनने में आया है कि लखनऊ में महाराज जी के साथ हुए कार्यक्रम के बाद अब वह जल्द ही यहां आ सकती हैं। फिर देखना होगा उनको किस जोन और सर्किल में भेजा जाता है। वैसे बताया जा रहा है कि वह बड़े साहब के दिशा निर्देश में अपनी शुरूआती ट्रेनिंग करने के बाद फिर थाने और एसीपी वाले चार्ज पर आएंगी। इन सबके बीच चर्चा यह भी चल रही है कि अगर एसीपी स्तर के फेस में बदलाव होगा, तो क्या एक आईपीएस अधिकारी का भी मामला बदल जाएगा। वैसे दिंसबर में तारीख बदल सकती हैं पर संभावना प्रबल बनी हुई है। वैसे कुल मिलाकर जिस तरीके से नई गाड़ियों के जल्द मिलने की सूचना आ रही है, उससे कई जगह खुशी और जोश का माहौल बना हुआ बताया जा रहा है।

स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज, एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने आयोजित की प्रथम नेशनल कॉन्फ्रेंस

गाजियाबाद, करंट क्राइम। स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज, एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित प्रथम नेशनल कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन किया गया। कॉन्फ्रेंस का संयोजन कॉन्फ्रेंस कन्वीनर वैश्नवी वत्स तथा सह-कन्वीनर इस्मत हिना, आकांक्षा सिंह और श्रुति खंडेलवाल द्वारा किया गया। यह सम्मेलन विधि क्षेत्र के विशेषज्ञों एवं पेशेवरों का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, जिसमें कुल 32 प्रतिभागियों और प्रदर्शकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रसेनजीत कुमार द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। सम्मेलन की शोभा बढ़ाते हुए, मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में ओसवी गोयल, वरिष्ट सलाहकार (नीति), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, उपस्थित रहीं। उन्होंने नीतिगत ढांचे और उभरती तकनीकी चुनौतियों पर विशिष्ट विचार साझा करते हुए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। तकनीकी सत्रों का संचालन प्रो. (डॉ.) हेमंत कुमार शर्मा द्वारा किया गया। सम्मेलन का समापन वैलेडिक्टरी सेशन के साथ हुआ। नित्या सिंह और टांशिया को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त डॉ. शुबहान अजहर सिद्दीकी को भी उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए सम्मान प्रदान किया गया।

सम्मेलन की वैश्विक पहुँच को रेखांकित करते हुए वर्चुअल प्रतिभागियों नवीन एवं सह-लेखक लोचना (स्वेता लॉ स्कूल) तथा वैष्णवी को भी सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तोता पुरस्कार प्रदान किया गया। सभी पुरस्कार माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रसेनजीत कुमार द्वारा प्रदान किए गए।

स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज भविष्य में भी ऐसे सार्थक, नवाचार-आधारित एवं सहभागिता पूर्ण कार्यक्रमों के माध्यम से शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईएमएस यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस में 6 दिवसीय ऑनलाइन एफडीपी का समापन

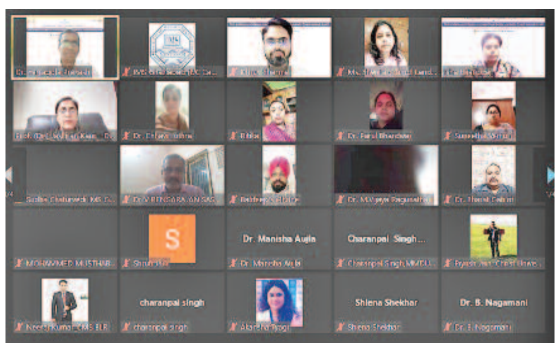

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आईएमएस गाज़ियाबाद (यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस) द्वारा ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन के सहयोग से आयोजित नेक्स्ट-जन बिजनेस इंटेलिजेंसः लेवरेजिंग, एआई एंड मशीन लर्निंग फॉर ट्रांसफॉर्मेशनल ग्रोथ विषय पर आधारित 6 दिवसीय ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह कार्यक्रम 24 से 29 नवम्बर 2025 तक आयोजित किया गया, जिसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों के 125 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का समापन ऑनलाइन मूल्यांकन परीक्षा, फीडबैक सत्र के साथ किया गया। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो.(डॉ.) जसकीरन कौर ने की। डॉ. येरागोला प्रकाश ने सभी विशेषज्ञ वक्ताओं, प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

ध्रुव शर्मा (असिस्टेंट प्रोफेसर, आईएमएस गाज़ियाबाद) के अनुप्रयोग, वर्कफ्लो, कंटेंट ऑटोमेशन और शिक्षा-उद्योग के भविष्य में इसकी भूमिका पर चर्चा की। ए. के. सिन्हा ने वैश्विक उद्योगों में बदलती जरूरतों, सुरक्षा मानकों और मल्टी-क्लाउड आर्किटेक्चर पर विस्तृत प्रस्तुति दी। अरिंदम चटर्जी (प्रिंसिपल डेटा साइंटिस्ट, सहाज सॉफ्टवेयर) ने डेटा-आधारित निर्णय प्रक्रिया में आने वाले अवसरों व चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

प्रतिभागियों ने कहा कि यह एफडीपी न केवल ज्ञानवर्धक रही, बल्कि शोध और प्रोजेक्ट डेवलपमेंट के लिए नई प्रेरणा भी प्रदान की। यह एफीडीपी तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप सुदृढ़ करने में आईएमएस गाज़ियाबाद (यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस) के महत्वपूर्ण योगदान की पुष्टि करती है।

लोहा मंडी में लगा निशुल्क नेत्र जांच शिविर

100 मरीजों की आंखों की जांच, 60 को मुफ्त चश्मे वितरित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। लोहा विक्रेता मंडल कार्यालय पर सोमवार को जरूरतमंदों और मजदूर वर्ग के लिए निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर आयोजित किया गया। कैंप में लगभग 100 लोगों की आंखों की जांच की गई, जिनमें से 60 मरीजों को नि:शुल्क चश्मे उपलब्ध कराए गए, जिससे उन्हें पढ़ने-लिखने और दैनिक कार्यों में अब अधिक सुविधा होगी। कार्यक्रम में गाजियाबाद लोहा विक्रेता मंडल के अध्यक्ष डॉ. अतुल कुमार जैन, कोषाध्यक्ष सतीश बंसल और वरिष्ठ उपाध्यक्ष इंद्र मोहन कुमार उपस्थित रहे।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व एमएलसी प्रदीप कुमार जाटव के लिए 2 दिसम्बर की तारीख सबसे खास है। 2 दिसम्बर यानी आज उनकी शादी की 38वीं वर्षगांठ है। सफल, सुखद और खुशहाल वैवाहिक जीवन यात्रा के 38 वर्ष पूरे हर्ष से पूरे करने पर पूर्व एमएलसी प्रदीप कुमार जाटव ने इस खुशी को फेसबुक पर साझा किया। उनकी यह पोस्ट बनी दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

हांगकांग त्रासदी में मृतकों का आंकड़ा 146 पहुंचा

हजारों लोग हुए बेघर, अब तक 115 मिलियन यूएसडी की मदद; राहत-बचाव कार्य जारी

हांगकांग। हांगकांग में पिछले हफ्ते लगी भीषण आग में कम से कम 146 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। इस बीच लोगों ने बड़ी संख्या में मदद आगे बढ़ाई है। ऐसे में अब तक करीब 900 मिलियन हांगकांग डॉलर (115 मिलियन यूएसडी) दान जमा हो चुका है। लेकिन जैसे-जैसे हादसे की जिम्मेदारी पर सवाल बढ़ रहे हैं, सरकार पर आलोचना रोकने के आरोप लग रहे हैं। आग से जले वांग फुक कोर्ट परिसर के बाहर बड़ी संख्या में लोग फूल, कार्ड और संदेश रखकर शोक व्यक्त कर रहे हैं। इतना ही नहीं स्थानीय निवासी कह रहे हैं यह समय एक-दूसरे की मदद का है।

हांगकांग के ताई पो इलाके में वांग फुक कोर्ट परिसर में लगी भीषण आग में अब तक 146 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 100 लोग अभी भी लापता हैं। आठ में से सात इमारतें जलकर खाक हो गईं, जिनमें लगभग 4,600 लोग रहते थे। राहत कार्य में 1.2 बिलियन हांगकांग डॉलर जुटाए गए हैं। लोग शोक व्यक्त कर रहे हैं और सुरक्षा की लापरवाही पर सवाल उठ रहे हैं।

राहत और मददकार्य

मामले में सरकार और दानदाताओं ने मिलकर लगभग 1.2 बिलियन हांगकांग डॉलर की मदद जुटाई है। इस पैसे से लोगों को घर दोबारा बसाने में सहायता दी जाएगी। जरूरतमंदों को लंबे समय तक सहयोग मिलेगा। सरकार ने पीड़ितों को नगद राशि और अस्थाई रहने की व्यवस्था भी दी है। इतना ही नहीं इन पैसों से 683 लोग होटल और हॉस्टल में शिफ्ट किए गए। 1,144 लोग ट्रांजिशनल हाउसिंग में रह रहे हैं और दो आपात आश्रय केंद्र अभी खुले हैं

बता दें कि आग बुधवार दोपहर ताई पो इलाके के इस परिसर में लगी और आठ में से सात इमारतें जल गईं। ये इमारतें लगभग 4,600 लोगों का घर थीं। आग पर काबू पाने में लगभग दो दिन लग गए। पुलिस की टीमों ने चार इमारतों की तलाशी में 30 और शव बरामद किए, जिससे मौतों का आंकड़ा 146 तक पहुंच गया। 100 लोग अब भी लापता हैं और 79 घायल हुए हैं।

पूरे परिसर की इमारतों पर बांस की स्कैफोल्डिंग और नायलॉन का जाल लगा था, क्योंकि बाहरी मरम्मत का काम चल रहा था। खिड़कियों को भी प्लास्टिक शीट से ढका गया था। ऐसे में अब जांच हो रही है कि क्या इससे आग और तेजी से फैली। मजदूरी विभाग ने बताया कि लोगों ने करीब एक साल से सुरक्षा की शिकायतें कर रखी थीं।

जुलाई 2024 से 16 बार निरीक्षण हुए थे और कॉन्ट्रैक्टर को कई बार लिखित चेतावनी दी गई थी, आखिरी निरीक्षण हादसे से सिर्फ एक हफ्ते पहले हुआ था।

गिरफ्तारियां और बढ़ता गुस्सा

हांगकांग की एंटी-करप्शन एजेंसी ने 11 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें निर्माण कंपनी के निदेशक और इंजीनियर शामिल हैं। लेकिन लोग पूछ रहे हैं क्या सरकारी अधिकारी भी जिम्मेदार नहीं? सरकार की आलोचना करने पर भी कार्रवाई हो रही है। एक व्यक्ति, जिसने ऑनलाइन पेटिशन बनाई थी, उसे देशद्रोह के शक में गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही दो और लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार चीन की तरह संभावित विरोध को पहले ही रोक रही है।

नक्शा विवाद के बीच नेपाल ने चीनी कंपनी को दिया नोट छपाई का ठेका

काठमांडू। नक्शा विवाद के बीच नेपाल ने चीनी कंपनी को नोट छपाई का ठेका दिया है। नेपाल राष्ट्रीय बैंक (एनआरबी) ने चाइना बैंक नोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन को 50, 500 व 1,000 के नेपाली रुपये के नोट छापने का ठेका दिया है।

नेपाली नोट पर अंकित नक्शे को लेकर जारी विवाद के बीच काठमांडो ने विभिन्न मूल्यों के अपने नोटों की छपाई का ठेका चीनी कंपनी को दे दिया है। 100 रुपये के नेपाली नोट पर अंकित नक्शे में भारत के तीन क्षेत्रों को अपने हिस्से में दशार्या गया है।

नेपाल राष्ट्रीय बैंक (एनआरबी) के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने बताया कि एनआरबी ने चाइना बैंक नोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन को 50, 500 व 1,000 के नेपाली रुपये के नोट छापने का ठेका दिया है। पौडेल ने कहा कि हाल में दिए गए ठेके के अनुसार चीनी प्रेस नौ महीने के भीतर नेपाली बैंक नोटों का डिजाइन, प्रिंट व आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। एनआरबी चीनी कंपनी को जानकारी उपलब्ध कराएगा जिसके आधार पर वह नोट को डिजाइन करेगा। डिजाइन को एनआरबी मंजूर करेगा जिसके बाद ही नोटों की छपाई होगी।

4.30 करोड़ नोटों की छपाई के लिए हुआ करार: महीने की शुरूआत में इसी चीनी कंपनी के साथ 1,000 रुपये के 4.30 करोड़ नोटों की छपाई के लिए करार हुआ था। नेपाली रुपये के 1,000 के नोट पर दूसरी चीजों के साथ सात रोडोडेंड्रोन होंगे, जो नेपाल का राष्ट्रीय फूल है। नोट पर सात प्रांत दिखाए गए हैं। दरअसल, नेपाल के केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को 100 रुपये का नया नोट जारी किया है, जिसमें देश का संशोधित नक्शा छपा है।

पाकिस्तान में फौजी ढांचा बदलने पर संकट? सीडीएफ पद की अधिसूचना अटकी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर का कार्यकाल खत्म हो गया है, लेकिन उन्हें नए चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज पद पर नियुक्त करने की अधिसूचना अब तक जारी नहीं हुई है।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के भविष्य को लेकर संशय पैदा हो गया है। सेना प्रमुख के रूप में उनका तीन साल का कार्यकाल रविवार रात खत्म हो गया। उन्हें अगले पांच साल के लिए तीनों सेनाओं यानी थल सेना, नौसेना और वायुसेना का प्रधान यानी चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) बनाने के लिए संविधान में 27वां संशोधन किया गया है। इसके तहत उन्हें 5 वर्ष तक तैनाती मिलनी है।

सीडीएफ पद ने ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष पद की जगह ली है।

पूर्व पीएम खालिदा जिया की हालत गंभीर दिल-फेफड़ों तक पहुंचा संक्रमण का असर

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया की सेहत गंभीर बनी हुई है। 80 वर्षीय जिया को 23 नवंबर को छाती के संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था और उन्हें बाद में सीसीयू में शिफ्ट किया गया।

बांग्लादेश में अगले साल फरवरी में आम चुनाव होने वाले है। इससे पहले वहां की राजनीति में गजब का गर्माहट देखने को मिल रहा है। एक ओर जहां राजनीतिक पार्टियां चुनावी रण में अपनी-अपनी दावेदारी प्रबल करने में लगी है। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया की सेहत अभी भी गंभीर बनी हुई है। उनके पार्टी के वरिष्ठ नेता ने बताया कि 80 वर्षीय जिया की स्वास्थ्य स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। बता दें कि खालिदा जिया को 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

उन्हें छाती में संक्रमण हुआ था, जिससे उनके हृदय और फेफड़ों पर असर पड़ा। चार दिन बाद उनकी कई स्वास्थ्य समस्याओं के बिगड़ने के कारण उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) में शिफ्ट किया गया।

खालिदा जिया के सेहत का ताजा रिपोर्ट: बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रुहुल कबीर रिजवी ने रविवार को बताया कि डॉक्टरों ने कहा है कि उनकी स्थिति और बिगड़ी नहीं है, लेकिन बहुत सुधार भी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अभी तक जिया को विदेश में इलाज के लिए भेजने की सलाह नहीं मिली है। वहीं बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने शनिवार को बताया कि डॉक्टरों ने कहा था कि उन्हें विदेश में इलाज की जरूरत हो सकती है, लेकिन वर्तमान में उनकी शारीरिक स्थिति विदेश यात्रा के लिए अनुकूल नहीं है।

कई स्वास्थ्य समस्याओं के जुझ रही पूर्व बांग्लादेशी पीएम: बता दें कि बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया को पहले भी जिगर, किडनी, मधुमेह, गठिया और आंखों की बीमारियों जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएं हैं। इस साल छह मई को जिया लंदन से भारत लौटकर बांग्लादेश आई थीं, जहां उन्होंने चार महीने तक उन्नत चिकित्सा उपचार लिया था।

सिडनी में चल रहे अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण रैकेट का भंडाफोड़, हजारों वीडियो बरामद; चार आरोपी गिरफ्तार

सिडनी। सिडनी पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण घिरोह से जुड़े चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े हजारों वीडियो ऑनलाइन साझा करने का आरोप है। पुलिस ने कई कई सबूत जमा किये। साथ ही इसे बेहद खतरनाक अपराध बताया है।

सिडनी में पुलिस ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय बाल यौन शोषण रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन चारों पर बच्चों के यौन उत्पीड़न से जुड़े वीडियो ऑनलाइन फैलाने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क एक वैश्विक अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण घिरोह से जुड़ा था, जिसके वीडियो में खतरनाक रस्मों और शैतानी प्रतीकों का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस ने इस कार्रवाई को बेहद गंभीर और संवेदनशील बताया है।

न्यू साउथ वेल्स पुलिस की विशेष टास्क फोर्स ने ऑनलाइन एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर चल रही संदिग्ध गतिविधियों की जांच के दौरान इस नेटवर्क की पहचान की। डिटेक्टिव सुपरिंटेंडेंट जेन डोहर्टी ने बताया कि यह सामान्य अपराध नहीं था, बल्कि इसमें ऐसे वीडियो शामिल थे जिनमें बच्चों को शैतानी अनुष्ठानों से जुड़े प्रतीकों और रिवाजों का इस्तेमाल करते हुए प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यह सामग्री ह्वअत्यंत भयावहह्व है और बातचीत में भी ऐसे संकेत मिले जिससे पता चलता है कि आरोपी इसी तरह की क्रूर सामग्री साझा करते थे।

कैसे पकड़े गए आरोपी?

पिछले गुरुवार को सिडनी में कई स्थानों पर छापे मारे गए और चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके ठिकानों से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जिनमें हजारों वीडियो संग्रहित थे। यह सामग्री ऐसे बच्चों की थी जिनकी उम्र कुछ महीनों से लेकर 12 साल तक बताई गई है। पुलिस का कहना है कि यह सबूत दिखाते हैं कि आरोपी एक वैश्विक नेटवर्क का हिस्सा थे, जो ऑनलाइन बच्चों पर अत्याचार से जुड़े वीडियो साझा करता था।

अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की कड़ी?

पुलिस ने बताया कि यह नेटवर्क अलग-अलग देशों में फैले लोगों के बीच सामग्री साझा करता था। जांच में यह संकेत मिला है कि आरोपी शैतानी और ओकल्ट प्रतीकों के साथ वीडियो साझा करते थे। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में जो वीडियो मिले हैं, वे आरोपियों ने खुद नहीं बनाए, लेकिन उन्होंने इन्हें साझा किया और इन पर चचाएं कीं।

विद्रोह की सुलगती चिंगारी से भीषण संघर्ष के मुहाने पर पहुंचा पाकिस्तान; अस्थिरता और आर्थिक दबाव बढ़ा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मिलिट्री अकादमी के सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर ने नाम उजागर किए बिना कहा कि समस्या यह नहीं है कि इमरान लोकप्रिय हैं। समस्या यह है कि संस्थागत वैधता पहली बार लोकप्रिय वैधता से कमजोर महसूस की जा रही है। यह स्थिति सेना के लिए सामरिक खतरा है, न कि केवल राजनीतिक असुविधा।

पाकिस्तान का वर्तमान संकट इमरान खान बनाम सेना की लड़ाई से कहीं बड़ा है। अब सत्ता का दांव सिर्फ राजनीतिक वर्चस्व का नहीं, बल्कि सेना के संस्थागत प्रभुत्व, प्रांतों की क्षेत्रीय पहचान और अर्थव्यवस्था की बुनियादी जीवंतता से जुड़ चुका है। सैन्य रणनीति, जनसमर्थन का भूगोल और आर्थिक दिवालियापन एक दूसरे से टकराते हैं तो देश खतरनाक मायनों में पुनर्गठन के दौर में प्रवेश करता है। पाकिस्तान में भी यही हो रहा है। विद्रोह की सुलगती चिंगारी से वह भीषण संघर्ष के मुहाने पर पहुंच चुका है।

पाकिस्तानी सेना की रणनीति का पूरा ढांचा इस बात पर केंद्रित है कि राष्ट्रीय नैरेटिव, विदेश नीति और आंतरिक सुरक्षा पर उसकी पकड़ बनी रहे। इमरान को सिर्फ सियासी चुनौती नहीं, संस्थागत नियंत्रण के लिए खतरा माना जा रहा है।

आंतरिक खुफिया रिपोर्टों में चिंता जताई गई है कि पहली बार प्रजातंत्र नहीं, सैन्य प्रतिष्ठान के खिलाफ जन-आंदोलन जैसी मानसिकता उभर रही है। सूचना नैरेटिव से लेकर मीडिया पर नियंत्रण, राजनीतिक नेतृत्व के पुनर्विन्यास की कोशिश और पीटीआई कैडर को संगठित विरोध से बिखरे विरोध की ओर धकेलने के सेना के दबाव से जनसमर्थन घटने के बजाय बढ़ रहा है।पाकिस्तान मिलिट्री अकादमी के सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर ने नाम उजागर किए बिना कहा कि समस्या यह नहीं है कि इमरान लोकप्रिय हैं। समस्या यह है कि संस्थागत वैधता पहली बार लोकप्रिय वैधता से कमजोर महसूस की जा रही है। यह स्थिति सेना के लिए सामरिक खतरा है, न कि केवल राजनीतिक असुविधा। पुलिस-सेना की कार्रवाई के बावजूद पंजाब में पीटीआई के प्रति जनमत बरकरार है। खैबर पख्तूनख्वा में सेना और केंद्र के प्रति असंतोष ऐतिहासिक रूप से बढ़ रहा है।

ट्रंप लंबे समय के लिए खत्म कर सकते हैं शरण देने की प्रणाली

अमेरिका में सख्त आव्रजन नीति लाने का भी इशारा

वॉशिंगटन। बीते दिनों अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के पास हुए हमले के बाद ट्रंप प्रशासन ने जांच नियमों और सुरक्षा प्रक्रियाओं को और सख्त करने का फैसला किया है। इसके तहत अब ट्रंप की प्रशासन ने अमेरिका में आव्रजन (इमिग्रेशन) नीतियों को और कड़ा करने की तैयारी कर रहा है। इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रशासन के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि वे शरण देने की प्रक्रिया को लंबे समय के लिए रोकना चाहते हैं।

एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने दावा किया कि कई ऐसे लोग देश में आ रहे हैं जिन्हें अमेरिका में नहीं होना चाहिए। ट्रंप ने हाल ही में व्हाइट हाउस के पास गोलीबारी करने वाले अफगान नागरिक का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे लोग देश के लिए खतरा हैं। उन्होंने कहा कि हम ऐसे लोगों को अमेरिका नहीं चाहते। इनमें से कई लोग ऐसे हैं जो अच्छे नहीं है। हमारे पास पहले से ही काफी समस्याएं हैं।

अमेरिका में आव्रजन नीति को और सख्त की तैयारी तेज हो गई। इस बात का संकेत डोनाल्ड ट्रंप ने दिया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका शरण प्रक्रियाओं को लंबे समय तक रोक सकता है। व्हाइट हाउस के पास अफगान मूल के हमलावर का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि कई लोग देश के लिए खतरा बन रहे हैं।

व्हाइट हाउस के पास हमला

बता दें कि यह कदम उस अफगान प्रवासी की गिरफ्तारी के बाद आया है जिस पर व्हाइट हाउस के पास एक नेशनल गार्ड सदस्य की हत्या का आरोप है। बुधवार को हुए हमले में स्पेशलिस्ट सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई, जबकि स्टाफ सार्जेंट एंड्रयू वोल्फ गंभीर रूप से घायल हैं। इस घटना के बाद ट्रंप प्रशासन ने जांच नियमों और सुरक्षा प्रक्रियाओं को और सख्त करने का फैसला किया है।

सोमालिया जैसे देशों पर साधा निशाना

ट्रंप ने सोमालिया जैसे देशों पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ये ऐसे देश हैं जहां न सरकार है, न सेना, न पुलिस। लोग एक-दूसरे को मारते रहते हैं और फिर हमारे देश आकर बताते हैं कि हमें कैसे चलाना चाहिए। हमें इनकी जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि 19 से ज्यादा देशों पर कड़े प्रतिबंध लग सकते हैं, क्योंकि वे अपराध से भरे हुए हैं।

नेशनल गार्ड पर हमले का जिक्र

इस दौरान ट्रंप ने व्हाइट हाउस के पास हुए हमले में घायल दो नेशनल गार्ड सैनिकों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एंड्रयू वोल्फ अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि दूसरी सैनिक सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हमले के आरोपी अफगान नागरिक रहमनुल्लाह लाकनवाल पर योजना बनाकर और जानबूझकर की गई हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

पूर्व राष्ट्रपति बाइडन पर भी बोला बड़ा हमला

इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर भी गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उन्होंने बिना जांच-पड़ताल के लोगों को देश में आने दिया, जिससे आज यह स्थिति बनी। ट्रंप ने यह भी कहा कि होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) ने भी कहा कि बाइडन प्रशासन ने देश के खिलाफ आत्म-नुकसान करने जैसा काम किया। गौरतलब है कि लाकनवाल 2021 में ऑपरेशन एलाइज वेलकम के तहत अमेरिका आया था, जब अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के दौरान कई नागरिकों को अमेरिका लाया गया था।

श्रीलंका में अब तक 334 मौतें, 370 लोग लापता

भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत बढ़ाए मदद के हाथ

कोलंबो। श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह ने भारी तबाही मचाई है। अब तक 334 लोगों की मौत और 370 लोग लापता हैं। कई शहर जलमग्न हो गए, पुल बह गए और महत्वपूर्ण इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं। स्टारलिंक ने प्रभावित इलाकों में मुफ्त इंटरनेट सेवा शुरू की है। वहीं भारत ने फिर अच्छे पड़ोसी होने का परिचय देते हुए ह्यऑपरेशन सागर बंधुह्न के तहत राहत सामग्री कोलंबो भेजा है।

श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह ने भारी तबाही मचाई है, जिसके चलते वहां के लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। डिजास्टर मैनेजमेंट सेंटर (डीएमसी) के अनुसार, अब तक कम से कम 334 लोगों की मौत हो चुकी है और 370 लोग लापता हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित जिला कैंडी है, जहां 88 मौतें और 150 लोग लापता हैं। इसके अलावा बादुला में 71, नुवारा एलिया में 68 और मटाले में 23 मौतें दर्ज की गई हैं।

डीएमसी के मुताबिक, इस आपदा ने देश भर में 3,09,607 परिवारों के 11,18,929 लोगों को प्रभावित किया है। इतना ही नहीं चक्रवात दित्वाह के कारण नदियों का जलस्तर ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गया, जिसके चलते पूरे शहर जलमग्न हो गए, बड़े पुल बह गए और कई महत्वपूर्ण इमारतें और सड़कें टूट गईं।

नेपाल ने भी की श्रीलंका की मदद की घोषणा

नेपाल ने बाढ़ प्रभावित श्रीलंका की मदद के लिए 2 लाख अमेरिकी डॉलर की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। यह सहायता राहत और बचाव कार्यों के लिए दी जाएगी। श्रीलंका में हाल ही में साइक्लोन दित्वाह के कारण भारी बाढ़, भूस्खलन और बुनियादी ढांचे के टूटने की वजह से कई जिले कट-ऑफ हो गए हैं और आपदा प्रबंधन की क्षमता पर दबाव बढ़ गया है।

स्टारलिंक ने इलाकों में मुफ्त इंटटरनेट की घोषणा की

इस आपदा के बीच स्टारलिंक ने प्रभावित इलाकों में मुफ्त इंटरनेट कनेक्टिविटी देने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि यह सेवा दिसंबर 2025 तक सभी नए और मौजूदा ग्राहकों के लिए मुफ्त रहेगी।

भारत का 'ऑपरेशन सागर बंधु'

इतना ही नहीं इस त्रासदी को देखते हुए भारत ने 'ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू किया और श्रीलंका की मदद के लिए एचएडीआर (ह्यूमैनिटेरियन, राहत और बचाव) ऑपरेशन में तेजी दिखाई। भारतीय वायु सेना ने कोलंबो भेजे गए विमान के जरिए 21 टन राहत सामग्री, 80 से ज्यादा एनडीआरएफ जवान और आठ टन उपकरण पहुंचाए। पुणे से भी एनडीआरएफ टीम और उपकरण एयरलिफ्ट किए गए। इस मामले में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत ने कठिन हालात में भी तेज, समन्वित और मानवीय राहत प्रयास के जरिए श्रीलंका की मदद की है। यह मिशन भारत की पड़ोसी देश के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

वॉशिंगटन में हमले का शिकार नेशनल गाड्र्स के जवानों का सम्मान करेंगे ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग की प्रमुख क्रिस्टी नोएम कहा कि आरोपी के अमेरिका में रहने की आवेदन प्रक्रिया बाइडन सरकार में शुरू हुई थी। ऐसे में वॉशिंगटन डीसी में हुई गोलीबारी और साराह बेकस्ट्रोम की मौत की जिम्मेदारी भी सीधे तौर पर जो बाइडन और उनके प्रशासन की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गोलीबारी के शिकार नेशनल गाड्र्स के जवानों को परिजनों से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। नेशनल गाड्र्स के जवानों साराह बेकस्ट्रोम और एंड्रयू वोल्फ को बीते बुधवार को वॉशिंगटन डीसी में एक अफगान मूल के व्यक्ति ने गोली मार दी थी। हमले में गंभीर रूप से घायल साराह बेकस्ट्रोम की इलाज के दौरान मौत हो गई थी और एंड्रयू वोल्फ अभी भी जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है।

व्हाइट हाउस में परिजनों को बुलाया

ट्रंप ने पीड़ित परिवारों को व्हाइट हाउस आने का न्योता दिए जाने की जानकारी देते हुए कहा, 'मैंने साराह बेकस्ट्रोम के परिजनों से बात की थी और वे बेहद दुखी थे'। ट्रंप ने बताया कि वे साराह और एंड्रयू का व्हाइट हाउस में सम्मान करना चाहते हैं। साराह बेकस्ट्रोम और एंड्रयू वोल्फ वेस्ट वर्जीनिया नेशनल गाड्र्स का हिस्सा थे और वॉशिंगटन डीसी में अपराध के खिलाफ अभियान के तहत राजधानी में तैनात थे। 29 साल के अफगानिस्तान मूल के युवक रहमानुल्ला ने दोनों को गोली मार दी थी। हमले के बाद रहमानुल्ला को गिरफ्तार कर लिया गया था। ट्रंप ने इसे आतंकी हमला करार दिया और अफगानिस्तान के सभी नागरिकों को वीजा जारी करने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी।

अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग की प्रमुख क्रिस्टी नोएम ने वॉशिंगटन डीसी में हुए हमले के लिए पूर्व के बाइडन प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है। क्रिस्टी नोएम ने कहा कि आरोपी के अमेरिका में रहने की आवेदन प्रक्रिया बाइडन सरकार में शुरू हुई थी। ऐसे में वॉशिंगटन डीसी में हुई गोलीबारी और साराह बेकस्ट्रोम की मौत की जिम्मेदारी भी सीधे तौर पर जो बाइडन और उनके प्रशासन की है।

गाजियाबाद नगर निगम Ghaziabad Nagar Nigam (ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था) | गाजियाबाद विकास प्राधिकरण GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY

महापौर ने शहर के सौंदर्यीकरण पर अधिकारियों संग की विस्तृत समीक्षा बैठक

सौंदर्यकरण से बनेगी शहर की अलग पहचान : महापौर

गाजियाबाद की सुंदरता से अन्य शहर भी लेंगे प्रेरणा : नगर आयुक्त

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महापौर सुनीता दयाल के नेतृत्व में नगर निगम द्वारा शहर के सौंदर्यीकरण पर तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज महापौर ने निगम अधिकारियों के साथ बैठक कर संपूर्ण कार्ययोजना की समीक्षा की। बैठक में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, उद्यान प्रभारी डॉ. अनुज सिंह और नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश कुमार सिंह उपस्थित रहे।

बैठक में शहर में चल रहे सौंदर्यकरण के कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। पूर्व में दी गई निविदाओं, 4 प्रमुख चौराहों के सौंदर्यकरण तथा विभिन्न प्रवेश द्वारों के विकास की स्थिति पर भी महापौर ने जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि शहर में लगभग 20-20 फीट ऊँचे स्कल्पचर के लिए स्थानों का चयन कर लिया गया है तथा स्थापना कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा।

इसके साथ ही शहर में भव्य प्रवेश द्वारों के निर्माण की तैयारी भी अंतिम चरण में है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण एलिवेटेड गेट होगा, जिसका नामकरण सदन की बैठक में 'श्री राम सेतु' किया जा चुका है। यह गेट शहर में प्रवेश करने वाले आगंतुकों को श्री राम मंदिर निर्माण की स्मृति कराएगा। महापौर ने कहा कि सौंदर्यकरण योजना से शहर की छवि निखरेगी और नागरिकों को गर्व का अनुभव होगा। विभिन्न चौराहों पर लगने वाले आकर्षक स्टैच्यू भी शहर को प्रेरणादायी रूप प्रदान करेंगे।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में हो रहे सौंदर्यकरण कार्यों को देखकर अन्य शहर भी प्रेरणा लेंगे। इसके साथ ही शहर को अधिक व्यवस्थित बनाने के लिए प्रमुख स्थानों पर आवश्यक कट और यातायात सुधार कार्य भी किए जा रहे हैं, ताकि जाम की समस्या कम हो सके।

उद्यान विभाग द्वारा सेंट्रल वर्ज तथा ग्रीन बेल्ट को हराझभरा बनाने का अभियान भी तेजी से जारी है, जिससे शहर की हरियाली और सौंदर्य दोनों में वृद्धि होगी।

स्वर्गीय पार्षद जगत सिंह को नगर निगम में दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक की अध्यक्षता में कार्यक्रम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम मुख्यालय में सोमवार को स्वर्गीय पार्षद जगत सिंह की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने दिवंगत पार्षद के सामाजिक कार्यों को स्मरण करते हुए कहा कि उनका योगदान नगर निगम और क्षेत्र के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

दिवंगत पार्षद के परिजनों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से डिप्टी मेयर प्रवीण चौधरी ने एक लाख की आर्थिक मदद की घोषणा की, वहीं समस्त पार्षदगणों द्वारा 10 हजार रुपए की सामूहिक सहायता देने का निर्णय लिया गया। नगर निगम परिवार ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और उनके परिजनों को शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

डिप्टी मेयर प्रवीण चौधरी ने दिया एक लाख रुपए का सहयोग

करंट क्राइम। दिवंगत पार्षद जगत सिंह के परिवार की आर्थिक सहायता हेतु डिप्टी मेयर प्रवीण चौधरी ने व्यक्तिगत रूप से एक लाख की मदद की घोषणा की। उन्होंने कहा कि निगम परिवार सदैव पार्षद जगत सिंह के योगदान को याद रखेगा।

क्यों कहा कहने वाले ने कि हमें याद आती है पुराने वाली बहार? जब हम कार्यालय पर गये तब बैठे देखे हमने सिर्फ चेहरे चार? हमारे दिमाग में फिर आया ये विचार? आखिर ऐसा क्यों हो रहा है यार? फिर किसी ने कहा आप दिमाग पर मत डालो ज्यादा जोर? एसआईआर का काम चल रहा है? इसलिए यहां पर सुनाई नहीं दे रहा है शोर? फिर कहने वाले ने मुस्कुराकर कहा कि जो भी कुछ हो पहले यहां पर था भीड़ का मामला कुछ और?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हमारे विधायक जी पसंद करते हैं कायदा? वो ये नहीं देखते हैं कि कहां पर है फायदा? अगर बात आती है मान पर? तो फिर वो रखते हैं सेल्फ रिस्पेक्ट का ध्यान? जब उन्हें मुरादनगर वाले बड़े कार्यक्रम का निमंत्रण ही नहीं मिला? तो वो उसें क्यों जाते श्रीमान? उन्होंने हैलीपेड पर कर दिया था अपना फर्ज अदा? सच बतायें हमें इसलिए भाती है उनकी ये खुद्दारी वाली अदा?

क्यों कहा कहने वाले ने कि इन्दिराजी वाले एरिया में भी हैं एक मिस्टर मैदी? सुना है उनको नहीं भाता है वर्तमान वाले भगवा कमिश्नर का साथ? हम जब भी देखते हैं उनके होते हैं पूर्व वालों के साथ दीदार? ऐसा हमने कई बार देखा है साहब? उनका वर्तमान वालों के साथ नजर ना आना नहीं है कोई बहाना? वो पूर्व वालों के साथ नजर आकर देते हैं वर्तमान वालों को संदेश? कराते हैं एहसास, रिश्तों की मेंहदी हमारी मजबूती से जमी हैं? जिसमें नहीं मिला है कोई भी कलर फेक?

क्यों कहा कहने वाले ने कि जब थे भगवा कमांडर अध्यक्ष? तब भगवागढ़ के मोर्चा वाले व संयोजक खूब करते थे अपना बर्थडे सेलीब्रेट? लेकिन हम देख रहे हैं इस बार कोई भी चेहरा नहीं कर रहा है अपने बर्थडे वाले सेलीब्रेशन को अपडेट? भगवा झा से लेकर मिस्टर भारद्वाज ने नहीं काटा इस बार अपने बर्थडे का केक? कुछ ऐसा ही किया इस बार युवा वाले अध्यक्ष ने भी मामला कैड़ा? पिछली बार उन्होंने बर्थडे पर दी थी शानदार दावत? इस बार तो किसी को नहीं खिलाया एक भी सूखा पेड़ा?

क्यों कहा कहने वाले ने कि पूरे काम से ईश्वर की तमन्ना रखने वाले भगवा त्यागी जी अक्सर कर देते हैं कायदे की बात? सुना है उन्होंने सड़कों पर भवन निर्माण को लेकर जो हो रहे हैं बोरिंग? उस पर मेयर साहब का ध्यान खींचा था साहब? दिलाया था उनका खराब सड़क से लेकर और गिरते हुए जलस्तर की ओर ध्यान? दिया था संदेश कि ऐसे लोगों पर कार्यवाही का बनना चाहिए प्लान? कहने वाले ने कहा कि तो हैं उन्होंने हकीकत में कायदे की बात? देखना अब ये है कि कार्यवाही की तस्वीरें कब आती हैं मीडिया वालों के पास?

क्यों कहा कहने वाले ने कि शिशौदिया जी के दूसरे वाले कार्यक्रम में जब नहीं हुए भगवा सौलंकी जी के दीदार? तब उनकी अनुपस्थिति का कारण जानने के लिए हमारे दिमाग में प्रश्न हुआ सवार? हमने उनसे पूछा कि आप क्यों नहीं नजर आये दूसरे कार्यक्रम में शिशौदिया जी के साथ? जबकि वहां पर आपके साथी मिस्टर भाटी जमें हुए थे बेहिसाब? तब उन्होंने कहा हमें मिला था पहले कार्यक्रम के निमंत्रण का कार्ड? दूसरे वाले में भी हम जरूर जाते अगर कार्ड आया होता हमारे पास?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हम आपको बात बता रहे हैं एकदम ठीक? मुराद पूरी करने वाले नगर में एक दूसरा त्यागी चेहरा अपना मामला कर सकता है ठीक? ये चेहरा पेश कर सकता है मौजूदा वालों के सामने चुनौती? क्योंकि इस चेहरे का ऊपर वालों तक है व्यवहार ठीक? सिर्फ यही है मेन रास्ते की बाधा? वैसे तो मौजूदा वाले रास्ता पूरा कर चुके हैं आधे से भी ज्यादा?

क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं आपको बता रहा हूं दिल की बात? पार्षदों को लगाया हुआ है लगाने वालो ने एसआईआर के काम पर? बाकी संगठन के कई चेहरों का वीआईपी मूवमेंट पर है फोकस? आप देख लो इन दिनों वैवाहिक त्यौहार में सभी के हो रहे हैं यहां पर बड़े नेताओं के साथ दीदार? अगर आप मांग लोगे गलती से इनसे एसआईआर की रिपोर्ट? तो ये ऐसा महसूस करेंगे जैसे मारी हो आपने इन पर चोट?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हम भगवा योद्धा तक पहुंचाना चाहते हैं पैगाम? रंजन जैसे भैया को इस बार जरूर मिलना चाहिए उनकी टीम में प्रमुख वाले पद पर स्थान? हमने देखा ये चेहरा कितनी शिद्दत से कर रहा है एसआईआर वाला काम? गांव-गांव, शहर-शहर और पार्टी के ऑफिस पर एसआईआर फार्म के साथ हो रहे हैं इस चेहरे के दीदार? कहने वाले ने कहा अगर मैरिट पर पद देने की बात आये? तो त्यागी जी के नाम पर जरूर होना चाहिए विचार? क्योंकि ये सभी जानते हैं जब रहे थे ये भगवा कमिश्नर? तब ये होते थे अपने काम के बल पर बार-बार रिपीट? ऐसे ही कार्यकर्ता होते हैं संगठन में आने के लिए ठीक?

क्यों कहा कहने वाले ने कि वेस्टर्न वाले ठाकुर साहब के प्रोग्राम में मैं था मौजूद? यहां पर मुझे स्टेट के दो बड़े जाट चेहरों का दिख रहा था वजूद? मैंने देखा कि एक ही कार्यक्रम में होने के बावजूद दोनों नजर नहीं आये एक साथ? हो सकता है ये मेरे देखने का धोखा हो या मेरे आने से पहले हो गई हो इन दोनों की मुलाकात?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

शहर विधायक संजीव शर्मा ने एसआईआर कार्यक्रम का किया व्यापक निरीक्षण

मतदाता सूची अद्यतन में लापरवाही पर बीएलओ की कम उपस्थिति का मुद्दा डीएम तक पहुंचाया

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत शहर विधायक संजीव शर्मा ने सोमवार को विभिन्न बूथों पर पहुँचकर व्यापक निरीक्षण किया। उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हो और पुनरीक्षण कार्य बिना किसी बाधा के चल सके। रविवार को विजय नगर स्थित जीकेजी इंटरनेशनल स्कूल में विधायक संजीव शर्मा ने एसआईआर में नियुक्त बीएलओ के कार्यों की स्थिति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान बीएलओ की उपस्थिति कम पाई गई, जिस पर उन्होंने तत्काल जिलाधिकारी को अवगत कराया, ताकि पुनरीक्षण की प्रक्रिया प्रभावित न हो।

इसके पश्चात विधायक ने क्रॉसिंग रिपब्लिक मंडल के जीएस-7 क्षेत्र के बूथ संख्या 29 से 45 तक का स्थलीय निरीक्षण किया। प्रत्येक बूथ पर उन्होंने मतदाता सूची अद्यतन, फॉर्म 6, 7, 8 और 8ए के निस्तारण, घर-घर सत्यापन तथा पंजीकरण कार्य की प्रगति का मूल्यांकन किया। संजीव शर्मा ने अधिकारियों और बीएलओ को कार्य में तेजी लाने तथा निष्पक्षता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

शहर विधायक के मीडिया प्रभारी ने बताया कि विधानसभा 56 में एसआईआर प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। सभी मंडलों के बूथ अध्यक्ष जिम्मेदारीपूर्वक काम कर रहे हैं, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से न छूटे।

गाजियाबाद के 45 ग्राम पंचायतों में बीसी सखी भर्ती अब बैंकिंग सुविधाएं सीधे ग्रामीणों के द्वार तक

आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर 2025

गाजियाबाद, करंट क्राइम। ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने 45 ग्राम पंचायतों में बीसी सखी पदों पर आवेदन आमंत्रित किए हैं। बीसी सखी माइक्रो एटीएम, हैंडहेल्ड डिवाइस या लैपटॉप के माध्यम से गांव-गांव बैंकिंग सुविधा पहुंचाएगी, जिससे जमा-निकासी, नए खाते खोलना, आधार आधारित लेन-देन और अन्य वित्तीय सेवाएँ लोगों को घर पर ही मिल सकेंगी। इस पहल से ग्रामीणों का समय और खर्च दोनों की बचत होगी और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी आएगी।

पात्रता : महिला स्वयं सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हो, ऋण डिफॉल्टर न हो, आयु 18-40 वर्ष, न्यूनतम 12वीं पास, मोबाइल/इंटरनेट का ज्ञान हो तथा 75 हजार सपोर्ट फंड को 4% वार्षिक ब्याज पर लेने की सहमति हो। बीसी सखी उसी ग्राम पंचायत की निवासी होनी चाहिए।

आवेदन प्रक्रिया : इच्छुक महिला सदस्य अपना आवेदन अपने स्वयं सहायता समूह के माध्यम से दे। आवेदन पत्र ब्लॉक मिशन प्रबंधन इकाई से प्राप्त हों। समूह से ग्राम संगठन, वहाँ से संकुल संघ होते हुए आवेदन जिला मिशन प्रबंधन इकाई को भेजे जाएंगे। अंतिम चयन मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर होगा।

जीडीए और एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के बीच हुआ महत्वपूर्ण करार

तुलसी निकेतन योजना के भवनों के पुनर्विकास पर हुए समझौता हस्ताक्षर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। तुलसी निकेतन योजना के व्यापक पुनर्विकास के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण और एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के अधिकारियों द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम जीडीए के उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्राधिकरण के सचिव तथा एनबीसीसी के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

इस परियोजना को दो चरणों में लागू किया जाएगा- पहला चरण 8 सप्ताह की व्यवहार्यता अध्ययन अवधि का होगा, जिसके पश्चात चयनित भू-भागों पर 3 वर्षों की विकास अवधि निर्धारित की गई है। एनबीसीसी, जो भारत सरकार का नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक उद्यम है, इस परियोजना में परियोजना प्रबंधन सलाहकार की भूमिका निभाएगा तथा योजना निर्माण से लेकर परियोजना कार्यारंभ तक पूर्ण तकनीकी व प्रशासनिक सहयोग प्रदान करेगा। प्राधिकरण उपाध्यक्ष कलाल ने स्पष्ट किया कि पुनर्विकास कार्य पर किसी भी प्रकार का आर्थिक बोझ न तो प्राधिकरण पर पड़ेगा न ही आवंटियों पर। पूरी परियोजना पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर क्रियान्वित की जाएगी।

तुलसी निकेतन योजना वर्ष 1990 में विकसित की गई थी, जहां वर्तमान में 2,292 फ्लैट, 60 दुकानें और लगभग 20,000 से अधिक निवासी हैं। योजना के 2004 ईडब्ल्यूएस तथा 288 एलआईजी मकानों को आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकसित किया जाएगा। जीडीए निजी विकासकताओं के साथ मिलकर 16 एकड़ क्षेत्र में नई बहुमंजिला आवासीय इमारतें स्थापित करेगा। जीडीए द्वारा कराए गए सर्वे में कई भवनों की स्थिति जर्जर और निवास हेतु असुरक्षित पाई गई थी, जिसे ध्यान में रखते हुए यह पुनर्विकास प्रक्रिया आरंभ की जा रही है।

यह सहयोग तुलसी निकेतन के निवासियों के जीवन स्तर में अभूतपूर्व सुधार लाएगा, आधारभूत संरचना को मजबूत करेगा तथा गाजियाबाद में आधुनिक, टिकाऊ और नागरिक-केंद्रित शहरी विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

जनसुरक्षा के मद्देनजर दयानंद पार्क में फिर से पुलिस बूथ की मांग

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। शालीमार गार्डन के दयानंद पार्क के निवासी एकजुट होकर फिर से पुलिस बूथ की स्थापना की मांग कर रहे हैं। लोगों ने कहा कि असामाजिक तत्वों को स्पष्ट संदेश दिया कि वे इस क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए तैयार हैं।

पार्क के बाहर गेट 6, 8 और 9 के मध्य स्थित प्रस्तावित स्थल को पुलिस प्रशासन ने पहले ही मंजूरी दे दी थी, जिससे चोरी और अन्य अपराधों को रोकने में आसानी होगी। हालांकि, कुछ निवासी राजनीतिक प्रभाव और निजी स्वार्थ के कारण इस पहल का विरोध कर रहे हैं, जिससे नगर निगम को अनुमति देने में देरी हो रही है।

इस अवसर पर संजय शर्मा, संजीव सेठी, नमन सेठी, रेखा सेठी, गीतिका सिंह, मुहम्मद फैजान, निखिल गुप्ता, कार्तिक भास्कर, दीपा जोसफ, बाल कृष्ण भट्ट, अजय राघव, मनोज वर्मा, कपिल जैन आदि लोग मौजूद रहे। निवासियों ने नगर निगम प्रशासन से आग्रह किया है कि वह इस गंभीर सुरक्षा मुद्दे पर शीघ्र ध्यान दे और पुलिस बूथ के निर्माण की अनुमति प्रदान करे, ताकि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

विक्रम एन्क्लेव में ट्रांसफॉर्मर में लगी आग, क्षेत्र अंधेरे में डूबा

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। शालीमार गार्डन के विक्रम एन्क्लेव के ट्रांसफॉर्मर में अचानक आग लग गई। घटना के कारण आसपास के कई ब्लॉकों की बिजली पूरी तरह कट गई और क्षेत्र अंधेरे में डूब गया।

फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन ट्रांसफॉर्मर को हुए नुकसान के कारण बिजली आपूर्ति बहाल करने में कुछ घंटे लग सकते हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस तरह की बिजली कटौती पहले भी हुई है; पिछले महीने शालीमार गार्डन मेन में घंटों तक बिजली गुल रही थी।

श्रद्धांजलि

गाजियाबाद, करंट क्राइम। लोहा विक्रेता मंडल के अध्यक्ष एवं टेक्निकल एजुकेशन फाउंडेशन उत्तर प्रदेश के महासचिव डॉ. अतुल कुमार जैन ने नोएडा स्थित सांसद डॉ. महेश शर्मा के निवास पर पहुंचकर उनकी पूज्य माताजी के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. अतुल जैन ने दिवंगत माताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य एवं शक्ति की कामना की।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।